मेरा राजस्थान

वर्ष-१८, अंक- ०२, मुम्बई, अप्रैल २०२४ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४४ मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

राजस्थान स्थापना दिवस ३० मार्च आपणो राजस्थान ३०-३१ मार्च, मुंबई -२०२४

३० मार्च
राजस्थान स्थापना दिवस

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर हार्दिक शुभकामनायें

S C

Sharda Cropchem Ltd.

Prime Business Park, Dashrathlal Joshi Road, Vile Parle (West), Mumbai-400056
Ph. Off.: +91 22 66782800 Res.: +91 22 66954815
Fax: +91 22 66782828 / +91 22 66782808 E-mail: office@shardaintl.com
ASSOCIATE CONCERN SHARDA INTERNATIONAL DMCC DUBAI, U.A.E.

ISO 9001: 2008 Reg. No: 690257
CIN: U51909MH2004PLC145007

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in भारत को 'भारत' ही बोला जाए अभियान

MOIRA
THERMEX TMT BARS
The Backbone of Your Structure
MOIRA means
Double strength for your Construction
MOIRA TMX
MOIRA TMX 550D
Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS
JAIDEEP METALLICS
& Alloys Pvt. Ltd.
106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E),
Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

बधाई बधाईयां बधाई

30 मार्च राजस्थान स्थापना दिवस पर अभूतपूर्व सफलता के पश्चात

आगामी कार्यक्रम

1 मई 2024 महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य पर

Principal's Conclave का आयोजन

मुंबई में स्थापित कलिना यूनिवर्सिटी में

300 कॉलेज के प्रिंसिपल के बीच होगी चर्चा

देश का नाम क्या हो?

Bharat or India

विश्व में दिलाएं 'भारत' नाम को सम्मान

पहुंचायें भारत की आन-बान और शान

महाराष्ट्र है हमारा- भारत को है प्यारा

विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	अंतर्राष्ट्रीय संयोजक
बिजय कुमार जैन, मुंबई	शोभा सादानी, कोलकाता	डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा	निशा लड्ढा, कोलकाता	अरूण मूँधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका
मो. 9322307908	मो. 8910628944	मो. 9414183919	मो. 9830224300	मो. 01(919)610-7106

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

७ आपणों राजस्थान का अभूतपूर्व धमाल...

१२ होली आई रे...

१४ ३० मार्च १९४९ का सूर्योदय लेकर...

२० राजस्थानी संस्कृति री खास ओळख...

२३ गुड़ी पाड़वा आया, अपने साथ...

अप्रैल २०२४ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

With Best Compliments

CA Laxmikant Gupta, FRM
(Mahansaria)
Mob: +91-98330-00436

Consultant In Risk Management And Compliance

Corporate Trainer

Director With Quant Mutual Fund

Investor Grievance Redressal Panelist with BSE, NSE, MCX

'मेरा राजस्थान' मई २०२४ री विशेषतावां

सांचौर

सांचौर राजस्थान का एक ऐतिहासिक कस्बा है, जो जालोर जिले में स्थित है। प्राचीन काल में यह कस्बा 'सत्यपुर' के नाम से विख्यात था। इसका जैन ग्रंथ 'विविधतीर्थ कल्प' में जैनतीर्थ के रूप में वर्णन है। बाकी पढ़े अगले अंक...

DISCIPLINE CHARACTER EDUCATION

SESOMU SCHOOL

N.H.- 11, Sri Dungargarh -331803, Dist. Bikaner, Rajasthan Tel.: 01565-223025, 224330 Mob. 9413361144, 9462891475

Website: www.sesomu.org : E-mail: school_appo@rediffmail.com

(A 25-year-old CBSE affiliated Co-educational school with hostel facilities for boys & girls)

REGISTRATION & ADMISSION OPEN IN SCIENCE, COMMERCE AND ARTS

SESOMU is the only School in the area having

ISO 9001-2005 Certification

IBM Certification

ATAL TINKERING LAB

Next Education® Transforming Education

FIT INDIA

Achievements in Games & Sports

* 1st Position in District level Handball Competition (U-17 Boys).
* 2nd Position in District level Handball Competition (U-19 Boys).
* 2nd Position in District level Handball Competition (U-19 Girls).
* 3rd Position in District level Handball Competition (U- 17 Girls).
* 8 Players (U-17 Boys) Selected for State level Handball Compt.
* 2 Players (U-17 Boys) Selected for National level Handball Compt.
* 2 Girls Selected for State level Handball Competition (U-19 Girls).

CBSE BOARD RESULTS OF 2022-23

Class / Range	Class-XII (Highest Score 95.8%) NO OF STUDENTS	Class-X (Highest Score 93%) NO OF STUDENTS
90%-99%	12	01
80%-89%	20	12
70%-79%	12	17
60%-69%	08	12
50%-60%	01	10
	53	52

As per NEP-2020 SESOMU has well-equipped Two Computer Labs, English Language Lab, Smart Classes and ATAL Tinkering Lab.

Advanced Physics, Chemistry, Biology, Geography, Mathematics, Fine Arts Labs and Big Play Grounds & Courts

Unique Morning Assembly (with Yoga, Prayer, Meditation, Moral Education, etc.)

SESOMU Family Welcomes back 'Kundu Sir' (Shri Subrata Kundu)

वर्ष-१८, अंक २, अप्रैल २०२४

१२ अंक वार्षिक १२००/-

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक

स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...

सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - ४०० ०५९.
दूरध्वनि - ०२२-२८५० ९९९९

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः **mailgaylordgroup@gmail.com**
बिजयजैन@मैंभारतहूँ.भारत
अन्तरताना : **http//: www.merarajasthan.co.in**
http//:www.bijayjain.com

https://www.facebook.com/merarajasthanpatrika/
https://twitter.com/mera_rajasthan
https://www.instagram.com/merarajasthan01/

कृपया विज्ञापन बिल, सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि का भुगतान नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908 UPI No.

सम्पादकीय ....

राजस्थानियों का सबसे बड़ा पर्व राजस्थान स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

हम राजस्थानी आज पूरे विश्व में फैले हुए हैं, विभिन्न धर्मावलंबी होने के नाते हम सभी विभिन्न पर्व भी मनाते हैं, पर 'राजस्थान स्थापना दिवस' सभी राजस्थानी धर्मावलंबी मिलकर मनाते हैं, कारण यह है की राजस्थान से 'राजस्थानी' भले ही रोजीरोटी कमाने के लिए परदेशी हो चले पर अपनी संस्कृति को नहीं भूले, तभी तो हम राजस्थानी भारत या विदेश में जहां भी रहते हैं मिलकर 'राजस्थान स्थापना दिवस' पर्व के रूप में मनाते हैं।

३० मार्च 'राजस्थान स्थापना दिवस' पर्व के रूप में मैंने मुंबई में विशाल रूप से मनाया, २०१४ से शुरू किया था और इस वर्ष मुंबई की फिल्मसिटी में भव्यातिभव्य रूप से मनाया गया, कई-कई राजस्थानी धर्मावलंबी जैसे की जैन, माहेश्वरी, अग्रवाल, माली, सिरवी, राजपूत, मिणा, ब्राह्मण आदि-आदि ने मिलकर कार्यक्रम की गरिमा को चार-चांद लगा दिया। भव्यातिभव्य कार्यक्रम की सफलता के लिए 'मैं भारत हूँ फाऊंडेशन' के अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय पदाधिकारी ने काफी मेहनत की, विशेषकर कोलकाता से पधारीं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती शोभा भगवान सादानी, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष कोटा राजस्थान से डॉ गोविंद व धर्मपत्नी किरण माहेश्वरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा संजय लड्ढा, अमेरिका से पधारे अंतरराष्ट्रीय संयोजक श्री अरुण जी मूंधड़ा के साथ कई-कई कार्यकर्ताओं व भाग लेने वाले कलाकारों, जिन्होंने महीनों तक कार्यक्रम की सफलता के लिए मेहनत की, कार्यक्रम देखने वालों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कार्यक्रम को गौरवमयी बना दिया।

हम राजस्थानी कर्मठशील है, रुकते नहीं, झुकते नहीं, मेहनत मशक्कत कर आगे ही आगे बढ़ते चले जाते हैं, बस इतना ही निवेदन करता हूं 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों से, की जीवन मिला कुछ कर गुजरने को, ऐसा कुछ कार्य करें की आने वाली पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे द्वारा किए गए कार्यों को याद करे और पथगामी बनें।

जय जय राजस्थान!

जय भारत!
जय भारतीय संस्कृति!

पूर्ण राष्ट्र की परिभाषा
भाव-भूमि और भाषा

आपका अपना
-बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का
आव्हान करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

भारत को भारत ही बोलें INDIA नहीं, जय भारत!

आपणों राजस्थान का अभूतपूर्व धमाल
मैं भारत हूँ फाउंडेशन ने किया कमाल

मुंबई: 'राजस्थान स्थापना दिवस' पर्व के अवसर पर ३० और ३१ मार्च २०२४ को 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' द्वारा मुंबई की फिल्म सिटी में रचा गया इतिहास, किया अनूठा प्रयास, अध्यक्ष बिजय कुमार जैन मुंबई, महामंत्री शोभा सादानी कोलकाता, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ गोविंद माहेश्वरी कोटा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष निशा लड्ढा कोलकाता, अंतर्राष्ट्रीय संयोजक अमेरिका निवासी अरूण मूंधड़ा, श्रीमती विजया पोफले मुंबई व अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में प्रसिद्ध उद्योगपतियों की उपस्थिति में 'राजस्थान कोहिनूर' मोमेन्टो (एक यादगार) प्रदान किया गया, अनगिनत फिल्मी शख्शियत और प्रसिद्ध राजस्थानी भारतीयों को ट्रॉफी और राजस्थानी पाग (पगड़ी) पहनाकर सम्मान किया गया। उद्योगपतियों में उपस्थित श्री रामेश्वर लालजी काबरा मुंबई, श्री कमल जी गांधी कोलकाता, श्रीमती सुमन जी कोठारी मुंबई, श्री राजकुमार जी काल्या गुलाबपुरा राजस्थान, श्री गिरधर जी मूंधड़ा सूरत, श्री रामरतन जी भूतड़ा सूरत, श्री मधुसूदन जी महेश्वरी मुंबई, डॉ. विनय जैन मुंबई, श्री एवं श्रीमती आर.वी. बूबना, श्री प्रदीप जी राठौड़, श्री ग्वालदास करनानी, श्रीमती श्रद्धा जी गट्टानी आदि सनामधन्य व्यक्तित्व ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति के साथ सहयोग दिया। श्री जितेंद्र बियानी खामगॉव द्वारा निर्मित स्वास्थवर्धक ओरगेनिक प्रोडक्ट उपहार में दिया गया। राजस्थान कोहिनूर प्राप्त प्रतिभाओं के नाम हैं प्रसिद्ध समाज सेवी श्रीमती रतनी देवी काबरा, प्रसिद्ध निर्माता निर्देशक के.सी. बोकाडिया, प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा, प्रसिद्ध संगीत निर्देशक दिलिप सेन (समीर सेन), प्रसिद्ध गायक निर्देशक राम शंकर, राजस्थानी सिने अभिनेता अरविंद कुमार, मोटिवेशनल स्पीकर श्रीमती कल्पना गगरानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष तेरापंथ महिला श्रीमती सरिता डागा, मिस यूनिवर्स श्रीमती रूपल मोहता, मिसेस इंटरनेशनल श्रीमती सिद्धि जोहरी, बेस्ट ब्लॉगर श्रीमती श्रद्धा गट्टानी, लिरिकिस्ट अनिता सोनी, राइटर शकुंतला करनानी, आउटडोर विज्ञापन एडवाइजर फेम पायल पटेल, सुप्रसिद्ध फिल्मी कथाकार व निर्माता निर्देशक मनोज तापड़िया, प्रसिद्ध सिंगर्स रेखा राव और अर्चना जैन, ड्रामा निर्देशक साधना मदावत, समाज सेवी सुशीला जी दरक आदि-आदि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे। मूमल राजस्थान री और ढोला मारवान, जिसमें ३५ एंट्री से १५ को मंच पर स्थान मिला। श्रीमती रूपल मोहता, श्रीमती सिद्धि जोहरी एवं श्रीमती श्रद्धा गट्टानी ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए उन्हें ग्रूमिंग शिक्षित किया, इस हेतु 'मूमल राजस्थान' प्रतियोगिता अनूठे आयामों से प्रस्तुत होकर बहुत ही उच्चमापदंड का हुआ, जिसका निर्देशन राज भाई नृत्य निर्देशक ने किया। विजयी प्रतियोगियों के नाम: दिशा अग्रवाल सचेत अग्रवाल, शालू अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अंकित काबरा, प्राची कबरा, आदित्य डागा, साक्षी डागा गिरधर, शैलजा बागड़ी, पूनम मालवीय, उमा चांडक, अनीता मालपानी, कोमल माहेश्वरी, डॉ पूनम बियानी रेणु सिंघी, नेहा तोषनीवाल, अंजू कमालिया, सविता मंत्री, दीपिका तावारी, लवलीना दाधीच, राधिका मुंदडा, सोनम धुत, खुशबू धुत, प्रेरणा जैन, रेणु भट्टड, शीतल काबरा, उमा झंवर, नंदिनी अजीत, प्रीति अरविंद, निशा डालिया, किंजल राठी, आरुषि अग्रवाल, श्वेता होलानी, निहारिका सारडा, कनिष्का शारदा, कविता तापड़िया, सरोज भंसाली, ममता शर्मा, कांता मालपानी, अनुपम अजमेरा व बिनीता डागा। दूसरा कार्यक्रम था 'आ तो शर्गा ने शरमावे' नाम से राजस्थान की वीर गाथा को समेटे बीकानेर की रानी किरण बाईसा, गंगा सिंह जी महाराज, अल्ला जिलाई बाई, चूड़ावत सरदार और हाड़ा रानी आदि के त्याग और समर्पण की अद्भुत कहानी को प्रस्तुत किया गया। समाज के ही सदस्यों ने अपने अभिनय द्वारा बच्चों ने गणेश वंदना नृत्य और स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, इसके अलावा अरविंद कुमार एवं टीम ने विख्यात नृत्य निर्देशक राजू शबाना के निर्देशन में करीबन १५ टीवी और फिल्म कलाकारों के साथ 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के टाइटल गाने पर भारत माता की आरती कर प्रस्तुत की गयी। मुंबई के माली व सिरवी समाज ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य व गीत के साथ अपनी प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मनमोह लिया।

फिल्मी दुनिया के प्रख्यात कलाकार अमिताभ बच्चन, शाहरूख खान, सलमान खान, पीके (आमिर खान) सभी जुनियर ने अपनी प्रस्तुति देते हुए सभागार को हंसा कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रसिद्ध कलाकार संगीतज्ञ रवि जैन, रेखा राव, अर्चना जैन, हिमांशु, विशाल ने अपने कंठस्वर से राजस्थानी गीतों का कमाल प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संयोजक अनुपमा शर्मा (दाधीच) के साथ सन्नी मंडावरा व रवि जैन ने अथक परिश्रम किया। बॉलिवुड पार्क के कार्यकर्ता सर्वश्री वैभव, प्रथमेश, अरविंद सुमित शितल का भी विशेष सहयोग रहा। प्रसिद्ध गीतकार राम शंकर जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जल्द ही 'भारत नाम सम्मान' का एक गीत 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन को उपहार में दूंगा।

जय-जय राजस्थान! जय भारत!

यो है आपणों राजस्थान

मुंबई माय राजस्थान स्थापना दिवस ३०-३१ मार्च २०२४

यो है आपणों राजस्थान

मुंबई माय राजस्थान स्थापना दिवस ३०-३१ मार्च २०२४

यो है आपणों राजस्थान

मुंबई माय राजस्थान स्थापना दिवस ३०-३१ मार्च २०२४

100% Veg.

NAKODA

NOURISH

nakodagheetel

FRESHLY PRESSED

COLD PRESSED OILS

- Minimal Heating
- No Chemicals
- Manual Filtration
- 100% Natural

From the house of

NAKODA®

Pure Ghee, Edible Oils & More...

BOOK YOUR ORDER NOW

8928882457 / 8591562269 / 8928586181 / 9137756585

www.nakodagheetel.com info@gheetel.com

FORTIFIED SAMPOORNA POSHAN SWASTH JEEVAN

MAKE IN INDIA

fssai Lic. No: 10017022005931

DAR KOSHER

एपीडा APEDA

An ISO 22000: 2018 & HACCP Certified Company

होली आई रे...

वसंत ऋतु में चारों ओर विखरे प्रकृति के रंगों को एकसाथ बटोर कर ले आती है 'होली', फिर यही रंग-अबीर-गुलाल बच्चों की पिचकारियों में घुल-मिलकर बड़ों के चेहरों और वस्त्रों पर उतरकर हर्ष, उल्लास और आपसी सद्भाव की अमिट छाप छोड़ जाते हैं। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला होली का त्योहार प्रतीकात्मक रूप से ऋतु परिवर्तन का उत्सव है। पहले यह मदनोत्सव, वसंतोत्सव, होलिका, दुले वसंतिया आदि नामों से भी जाना जाता था पर अब यह त्योहार मुख्यत: होली या होरी नाम से ही संपूर्ण भारत में मनाया जाता है। कड़ाके की ठंड के बाद मौसम में आई गरमाहट का जश्न मनाने के लिए भी यह त्यौहार मनाया जाता है और गेहूं की पकी हुई फसल को काटने के उपलक्ष्य के रुप में भी, इस अवसर पर खेत-खलिहानों में अनाज भरा होता है इसलिए प्राचीनकाल में 'सस्येष्टिं' नामक कृषि यज्ञ किया जाता था, इसमें फसल का कुछ अंश अग्नि को अर्पण किया जाता था। होली दहन के समय जौ, चने व गेहूं की बालियों को भूनना और खाना तथा प्रसाद के रुप में बांटना प्राचीन कृषि यज्ञ का नवीनतम रूप है।

पारंपरिक होली : त्योहार मनाने की पुरानी परंपरा का एक अंश अभी भी भारत के ग्रामीण अंचलों में देखने को मिलता है, वहां त्योहार की तैयारी फाग, रसिया, होरी के गीत आदि गाकर आरंभ की जाती है। फाल्गुन की एकादशी से उसमें रंग भरने शुरु हो जाते हैं। घर-आंगन शाम को लीप-पोतकर तैयार किए जाते हैं और उनमें तरह-तरह के रंग-बिरंगे चौक पूरे जाते हैं। हर दिन चंद्रमा का आकार चित्रों में बढ़ता जाता है और पूर्णिमा के दिन रंग-बिरंगे चौक में पूर्णमासी का चंद्रमा चित्रित किया जाता है। होली जलाने की तैयारी १०-१५ दिन पहले से होने लगती है। तरह-तरह के आकार के छेद वाले गोबर के उपले बनाकर उन्हें सुखाकर माला बनाई जाती है, इसके साथ ही गोबर की एक होलिका भी बनाई जाती है जिसे लकड़ियों के बीच में रखकर आग जलाते हैं। मुहूर्त के अनुसार पूजा करके मोहल्लों में होली जलाई जाती है, यह अग्नि का प्रतीक होता है होलिका नामक बुराई के जलने की और ईश्वर भक्त प्रह्लाद रुपी अच्छाई की जीत की। होलिका दहन के अगले दिन रंगों से खेलने वाली होली मनाई जाती है जिसे धुड़ेरी, धुलोडीया, धूनिवंदन भी कहते हैं।

ब्रज की होली के जिक्र बिना होली का वर्णन जैसे अधूरा है, यहां की विशेष होली ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने लिए जगह बना ली है। विदेशी पर्यटक यहां की खास होली को देखने आते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में भी इसके बारे में बहुत लिखा जाता है। बसंत पंचमी से चैत्र कृष्ण दशमी तक यहां होली की धूम रहती है। ब्रज के मंदिरों में वसंत से ही भगवान श्रीकृष्ण की अर्चना में गुलाल का प्रयोग बहुतायत से किया जाने लगता है, इस क्षेत्र में **शेष पृष्ठ १३ पर...**

Now in Ghatkopar (W) - Bikaji Showroom | M: 9892524124, 9892363500

BIKAJI RETAIL SHOWROOMS: **Malad (W): Bikaji Food Junxon M:** 7045789962, 7045789957 • **Malad (E): M:** 9320201995, 8097059366 • **Goregaon (E): T:** 022-28406700, **M:** 9321362383 • **Andheri (W): Laxmi Indl. Est T:** 022-61668737, **M:** 7045789968, 8454854231 • **Khar (W): M:** 7700941162, 9892551163 • **Mira Road (E): Shanti Nagar M:** 9594696299, 9833150280, **Kanakia M:** 9323404140, 9619890853, 8114459953 • **Bhayandar (W): Opp. Maxus Mall T:** 022-28144140, **M:** 9323404140, 9769691030 • **60 Feet Road M:** 9930630506, 9867853149, 9537333251 • **Bhayandar (E): Jesal Park (Subway) M:** 9619112244, 9082952106 • **Thane (W): M:** 7045789963, 8928116435 • **Ghatkopar (E): M:** 9892524124, 9892363500 **Bikaji Showroom Manager (Mumbai): Gopal Agarwal, M: 7045789957**

For Home Delivery
Scan the QR Code to order now

www.bikaji.com • Download **'Bikaji Online' App** from Google play | App Store | **Follow us on:**

BHUJIA • NAMKEEN • SWEETS • PAPAD • SNACKS

3BF/BK/14-24

पृष्ठ १२ से... यह त्योहार पूतना वध के उपलक्ष्य में भी मनाया जाता है। होली का संबंध साहित्य व नृत्यगीत में भगवान कृष्ण, राधा व उनकी सखी गोपियों से है। चूंकि श्रीकृष्ण की जीवन लीला में ब्रज एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, इसलिए इस क्षेत्र में होली का त्योहार अत्याधिक धूमधाम से मनाया जाता है।

जयपुर की होली : उत्तरांचल के पहाड़ी क्षेत्रों में भी यह त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। कुमायूं क्षेत्र में शिवरात्रि से ही होली गाई जाती है जो होली के अगले दिन तक चलती है। राजस्थान में भी होली के रंग अन्य रंगों से ज्यादा चमकते दिखाई देते हैं। जयपुर में होली के अवसर पर राज परिवारों द्वारा हाथियों पर चढ़कर होली खेलने का रिवाज है। मेवाड़ राजघराने के लोग अपनी शाही परंपरा को आज भी निभाते हैं और इस दिन प्रजा में मिठाई बांटी जाती है।

राजस्थान में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री महावीर जी के मंदिर में भी चैत्र शुक्ल द्वितीया को लठमार होली खेली जाती है। पुरुषों के हाथों में रंग भरी पिचकारियां होती हैं और साज-श्रृंगार युक्त स्त्रियों के हाथों में मोटे-मोटे लट्ठे। दिनभर दोनों वर्ग प्यार भरी होली खेलते रहते हैं। जैसलमेर में लोग एक-दूसरे को कंकड़ मारकर होली की बधाई देते हैं। गुजरात में होली हुलोसनी नाम से प्रचलित है। होलिका दहन की राख से गुजराती कन्याएं देवी अम्बा की मूर्ति बनाती हैं और पूजती हैं। हिमाचल प्रदेश में होलिका दहन की राख को बहुत शुभ माना जाता है, लोग इस राख को खलिहानों में डालते हैं। हिमाचली लोगों की मान्यता है कि फसल को बचाने के लिए होलिका की राख सर्वोत्तम होती है। उड़ीसा में होली को तिग्या कहते हैं। चतुर्दशी से पूर्णिमा तक यहां होली की धूम रहती है। पूर्णिमा के दिन कीर्तन-सत्संग होते हैं और देव मूर्तियों को झूला झुलाया जाता है। कीर्तन समाप्त होने पर पुजारी उपस्थित लोगों को गुलाल लगाकर प्रसाद बांटते हैं। महाराष्ट्र में होली खेलते समय केवल पुरुष रंग डालते हैं, स्त्रियां रंग नहीं डालती। पंजाब में उत्तर भारत के अन्य प्रदेशों की भांति ही खूब धूमधाम से होली मनाई जाती है। होली के अगले दिन भाईचारे का त्योहार 'होला मोहल्ला' खास है, यह उत्सव सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह से जुड़ा है।

३० मार्च १९४९ का सूर्योदय लेकर आया एक नया सवेरा

राजस्थान यानि कि राजपूतों का स्थान, देश के विकास में राजस्थान और राजस्थानियों का अमूल्य योगदान रहा है। चाहे वह उद्योग धन्धे के क्षेत्र में हो या साहित्य व सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में, जाहिर तौर पर राजस्थान की कुछ खूबियाँ है, अपनी इन्हीं खूबियों के कारण ही हवेलियों का यह प्रदेश पुरे दुनिया में आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

(३० मार्च) राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान की इन्ही खूबियों पर एक बार फिर से प्रकाश डालने की कोशिश में 'मेरा राजस्थान' पत्रिका परिवार द्वारा प्रस्तुत राजस्थान परम्पराओं का संक्षिप्त विवरण प्रबुद्ध पाठकों के हाथों में प्रस्तुत:

नई किरण

३० मार्च १९४९ का सूर्योदय लेकर आया एक नया सवेरा, जब भारत के मानचित्र पर राजस्थान राज्य का उदय हुआ। भारत की स्वतंत्रता के बाद देशी राज्यों के विलय और उनकी व्यवस्था करने की समस्या समाधान चाहती थी। ५ जुलाई १९४७ को सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रियासती विभाग का कार्यभार संभाला। राजाओं के प्रति उनकी सदाशयता मित्रभाव तथा सम्मानजनक व्यवहार ने राजाओं को प्रभावित किया। सरदार पटेल ने अपने विश्वस्त साथियों के सहयोग व परामर्श से सर्वप्रथम छोटे राज्यों की ओर ध्यान दिया, उन्होंने अलवर, भरतपुर, धौलपुर व करौली राज्यों को मिलाकर 'मत्स्य संघ' के नाम से पहला राज्य गठित किया, जिसका उद्घाटन १८ मार्च १९४८ को केंद्रीय खान मंत्री एन.वी. गाडगिल ने किया। महाराजा धौलपुर उदयभान सिंह राजप्रमुख तथा अलवर के शोभाराम प्रधानमंत्री बनाए गए। एकीकरण के दूसरे चरण में २५ मार्च १९४८ को कोटा में दूसरे संघ का निर्माण हुआ। उदयपुर महाराणा ने भी संघ में शामिल होने पर सहमति दे दी। १८ अप्रैल १९४८ को उदयपुर में संयुक्त राजस्थान संघ का उद्घाटन भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरु ने किया, इस संघ में उदयपुर के साथ कोटा, बूंदी, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, शाहपुरा व टोंक मिलाए गए, इस संघ के राजप्रमुख मेवाड़ के महाराणा भोपालसिंह तथा प्रधानमंत्री माणिक्य लाल वर्मा बनाए गए। १९ जुलाई १९४८ को लावा चीफ-शिप जयपुर राज्य में तथा कुशलगढ़ चीफ-शिप बांसवाड़ा राज्य का अंग होने से राजस्थान में विलीन कर दिया गया, इस समय तक तीन बड़ी रियासतों-जयपुर, जोधपुर व बीकानेर के अलावा लगभग सभी राज्य एकता की डोर में बांध लिये गए थे। जून १९४८ में इन सभी रियासतों को कांग्रेस ने संगठित होकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस का गठन किया, जिसके प्रथम अध्यक्ष गोकुलभाई भट्ट निर्वाचित हुए। १९४८ में जयपुर में हुए अ. भा. कांग्रेस के अधिवेशन में सरदार पटेल ने जयपुर, जोधपुर व बीकानेर के नेताओं तथा अन्य नेताओं से वृहद राजस्थान के निर्माण के संबंध में वार्ता कर उन्हें विश्वास में लिया। राजाओं से भी अलग-अलग स्तर पर वार्ता कर, उन्हें तैयार किया गया। केंद्र शासित जैसलमेर को भी राजस्थान में विलय का निर्णय कर लिया गया। उदयपुर के संघ में शामिल हो जाने से जयपुर, जोधपुर और बीकानेर के विलय का मार्ग प्रशस्त हो गया। इन रियासतों के विलय के साथ उदयपुर के महाराणा को उनके सम्मान के अनुकूल महाराज प्रमुख तथा जयपुर महाराजा को राजप्रमुख तथा कोटा महाराज को उप राजप्रमुख बनाया गया। राजाओं के प्रिवीयर्स भी राज्य की आय के अनुरुप निश्चित किए गए। राजाओं के साथ उनकी निजी संपत्ति के निर्धारण के साथ संधि की गई। ३० मार्च १९४९ (नव संवत्सर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा २००६) को रेवती नक्षत्र, इन्द्र योग में प्रात: १० बज कर ४० मिनट पर भारत के उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जयपुर के राजप्रसाद के ऐतिहासिक दरबारे-आम में वृहद राजस्थान का उद्घाटन किया तथा राजप्रमुख पद के लिए महाराजा जयपुर सवाई मानसिंह को शपथ दिलाई। राजप्रमुख ने कोटा के महाराव को उप राजप्रमुख पद तथा पं. हीरालाल शास्त्री को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई।

उद्यमशीलता

कुरजा ए म्हारा भंवर मिला दीजे रे..

हर बार सर्दियां लगते ही प्रवासी पक्षी 'कुरजा' जब प्रदेश के धोरों पर आती हैं तो विरह वेदना झेल रही स्त्री यही गीत गाती है। परदेश कमाने गए इन पूतों ने आज अपनी मेहनत और उद्यमशीलता से देश-दुनिया में यह साबित किया है कि प्रकृति जहां दिल खोल कर जहॉ बसती हो, वहां के वाशिंदों को भी उद्यमशीलता और मेहनत संपन्न बना सकती है, इसीलिए चुरु से उठे एक शख्स में लक्ष्मी ने निवास कर लिया। मारवाड़ी मित्तल ने दुनियाँ के अमीरों में जगह बनाई, जबकि दूसरी तरफ जमनालाल बजाज को गांधी जी अपना पांचवां बेटा मानते थे। आज 'बजाज' दुपहिया वाहन बनाने वाली कंपनियों में दुनिया में अव्वल है। बिड़ला, बांगड़, डालमिया, मोदी, जैन वगैरह कुछ ऐसे नाम है जो दुनिया **शेष पृष्ठ १५ पर...**

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के
साथ जीवन व्यतीत करें
'होली' पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

Ajeet Kumar Varma
Deputy General Manager
(Retired)
MAHESH BANK HYDERABAD
Mob.:- 98490 50742

House No. 4-4-43 / 46, Sultan Bazar,
Hyderabad, Telangana, Bharat-500 095

पृष्ठ १४ से... में किसी परिचय के मोहताज नहीं। मारवाड़ी उद्योगपतियों को लेकर अगर आप सोचते हैं कि वे गुवाहाटी, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, नेपाल या महाराष्ट्र तक देश की चारों दिशाओं में फैले हैं तो आपको गलतफहमी है। केन्या, दक्षिण अफ्रीका, दुबई, अमेरिका, सिंगापुर और यूरोप का रुख कीजिए। 'मारवाड़ी' व्यवसायी आपको दुनिया के हर कोने में मिलेंगे और हर जगह उन्होंने

अपनी उद्यमशीलता से दौलत तो कमाई ही है अपनी मृदुभाषिता और व्यवहार से दोस्त भी कमाए हैं। 'सेबी' के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार देश का लगभग एक तिहाई पैसा इन मारवाड़ी उद्यमियों की जेब में है और वह दिन दूर नहीं जब दुनिया की दौलत का बड़ा हिस्सा इन्हीं की जेब में होगा तब राजस्थान को 'धनीस्तान' के खिताब से सम्मानित किया जायेगा।

रत्न, ज्वैलरी व हस्तशिल्प

हां सा म्हारी रुणक-झुणक पायल बाजे सा...

'घूमर' की इन मशहूर पंक्तियों में औरतों की प्यारी पायल की आवाज समाहित रहती है तो फिर इस पायल को गढ़ने वाले कारीगरों को कैसे भूलाया जा सकता है। सुन्दर गहने गढ़ने में प्रदेश के जौहरियों का कोई सानी नहीं है, अकेले जयपुर से जहां पिछले बरस १२०० करोड़ रुपयों से भी ज्यादा के गहने निर्यात हुए तो जोधपुर से इतनी ही कीमत का हस्तनिर्मित फर्नीचर विदेश भी गया।

राजस्थान कारीगरों के काम को पूरी दुनिया इज्जत से देखती है, गहने या फर्नीचर ही राजस्थान के कारीगरों को अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर नहीं लाते बल्कि यहां की ब्लू पॉटरी, लोक चित्रकला, बंधेज, साफों, जोधपुरी कोट, हस्तशिल्प, चांदी के काम, दरियों-कालीनों, जूतियों, ब्लॉक प्रिंटिंग, कढ़ाई और मीनाकारी की भी दुनिया

दीवानी है। 'दुनियाँ के आधे क्रिकेटर जोधपुरी मोजड़ी पहन चुके हैं।' 'बंधेज के विशाल मात्रा में ऑर्डर आते हैं जोधपुर के बंधेज कारीगरों द्वारा निर्मित अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, मध्यपूर्व और चीन तक राजस्थानी बंधेज जाते हैं, अब हमारे ज्यादातर विदेशी ग्राहक फर्नीचर को अपने पूरे मकान की डिजाइन के हिसाब से मंगाते हैं'। जोधपुर के लोहे के फर्नीचर, किशनगढ़ी चित्रों और जयपुरी गहनों के दीवाने दुनिया भर में मौजूद हैं।

दर्शनिय: केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश...

बाहर से आने वाले सैलानियों के लिए 'भारत' आने का सबसे बड़ा आकर्षण 'राजस्थान' ही होता है, यही कारण है कि 'भारत' आने वाला हर तीसरा विदेशी पर्यटक प्रदेश का रुख जरुर करता है। **शेष पृष्ठ १६ पर...**

पृष्ठ १५ से... २००७ में देश में आने वाले विदेशी सैलानियों में से हरेक चौथा सैलानी राजस्थान आया, आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इंग्लैंड में बीते दिनों आयोजित विश्व पर्यटन मेले में ज्यादातर सैलानियों ने ताजमहल को राजस्थान में बताया। पर्यटन विभाग के सहायक निर्देशक बताते हैं कि आम हो या खास, हर तरह का सैलानी यहां के रंगों, शिल्प, स्थापत्य, महलों, हवेलियों, धोरों, झीलों और जानवरों को देखने जरुर आता है, यहां एक तरफ जहां लिज हर्ले ब्याह रचाती हैं तो दूसरी तरफ पुष्कर के घाट पर अमरीकी बाला कोलीना कालबेलिया नृत्य भी करती हैं।

'पैलेस ऑन व्हील्स' के महंगे टिकट एडवांस में बिकते हैं, वहीं लग्जरी ऑन व्हील्स भी यहाँ है'। पुष्कर समारोह, हाथी समारोह, मरु महोत्सव और मारवाड़ समारोह अब दुनिया भर में मशहूर हो चुके हैं। विदेशी पर्यटक हमारे प्रदेश

पैलेस ऑन व्हील्स

को देख कर चकित रह जाते हैं और यही वजह है कि लगभग ७० देशों के पर्यटक राजस्थान प्रदेश में आते हैं और इनकी तादाद हर साल बढ़ती ही जा रही है। व्यापक प्रचार और सरकारी संरक्षण के बावजूद, राजस्थान को अभी भी केरल जितने पर्यटकों की दरकार है, अगर सरकार केरल जैसा प्रचार व संरक्षण प्रदान करे तो स्थिति और बेहतर हो सकती है।

खनिज संपदा : दुबई के एक अमीर जब जोधपुर घूमने आए तो उन्हें पता चला कि उनके महल के बाहर लगा पत्थर राजस्थान से आया है। राष्ट्रपति भवन हो या संसद, राजस्थानी पत्थर के बिना उनकी दीवारें कहाँ बनती हैं। दुनियाँ भर में मशहूर ताजमहल राजस्थानी मकराने के संगमरमर से बना है। तांबा, जस्ता, लाइमस्टोन, सैंटस्टोन, कैमिकल्स वगैरह प्रदेश के सीने से निकल कर दुनिया भर में जाते हैं। स्कॉटलैंड की तेलखोजी कंपनी कैयर्न एनर्जी ने जैसे ही बाड़मेर में तेल खोजा, लंदन स्टॉक एक्सचेंज में उसके शेयर्स के वारे-न्यारे हो गए। राजस्थान को खनिजों का अजायब घर कहा जाता है। जैसलमेर का लाईमस्टोन दुनिया भर में निर्यात होता है। राजस्थान से केमिकल्स भी ज्यादातर निर्यात होते हैं। कैयर्न एनर्जी की तेल खोज के बाद, राजस्थान खनिज संपदा के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर नजर आने लगा है। कैयर्न के बाद वेनेजुएला की कम्पनी भी जैसलमेर में गैस की खुदाई में सहयोग कर रही है और प्रदेश के नए कुओं पर दुनिया भर की बड़ी तेल कम्पनियों की नजर गड़ी हुई है।

मालाणी नस्ल के घोड़े

कैयर्न एनर्जी की तेल खोज

पशुधन : गायां ने चरावती गोरबंद गूंथियो...

ऊंट के लिए अभी भी ऊन के टुकड़े, कौड़ियां, शीशे और धागे इकट्ठा कर, मरुस्थल की औरतें गोरबंद गूंथ ही लेती हैं, 'गोरबंद' यानी ऊंटों का गहना। ऊंट यानी मरुस्थल का गहना। चांदनी रात में थार के धोरों में कैमल सवारी की इच्छा दुनिया भर के सैलानी रखते हैं। हालांकि ऊंट के रेवड़ और उनकी तादाद दिन ब दिन घटती जा रही है, मगर ऊंट ही प्रदेश के सच्चे राजदूत हैं और दुनिया भर में प्रदेश की पहचान भी। पशुधन के लिहाज से उत्तरप्रदेश के बाद राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है क्योंकि प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ से भी ज्यादा मवेशी इस वक्त मौजूद हैं। राजस्थानी गायों के दूध में कोलेस्ट्रॉल कम होता है। राजस्थानी भेड़ों की ऊन से बने पट्टू-शॉल-दुशाले दुनिया भर में मशहूर हैं। मालाणी नस्ल के घोड़ों की स्वामी भक्ति और क्षमता दुनिया भर में मशहूर है। 'मारवाड़ी घोड़े को अगर प्यार मिल जाए तो वह हवा के भरोसे भी जी लेगा' अपनी अनूठी ताकत के कारण आज अमेरिका और यूरोप में मारवाड़ी या मालाणी नस्ल के घोड़ों के दीवाने बढ़ते जा रहे हैं।

हर साल पुष्कर, नागौर, झालरापाटन और दिलवाड़ा के पशुमेलों में राज्य के स्पंदन और पशुओं से इस प्रदेश के अनूठे जुड़ाव को महसूस करने वाले लाखों विदेशी पर्यटक आते हैं, विदेशियों में हाथी समारोह और पुष्कर समारोह के लोकप्रिय होने के कारण ही पशुओं से इन पर्यटक मेलों का सीधा जुड़ाव है।

राजस्थान विशेष

⇨ उद्योगपतियों की सूची में आज भी शिखर पर राजस्थानी ही हैं। बात लक्ष्मीनिवास मित्तल की हो या फिर बजाज, बिड़ला, बांगड़, मोदी, जैन की, हर जगह राजस्थानियों ने अपनी श्रेष्ठता के झंडे गाढ़े हैं।

⇨ राजस्थान विदेशी सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र है, यहाँ पर्यटन नित-नई ऊचाईयों को छू रहा है, यहां की स्थापत्य कला की बात हो या फिर संस्कृति, महल, हवेलियों की, हर कोई एक बार यहां आकर दुबारा आने की इच्छा रखता है।

⇨ फिल्म टाइटैनिक की हीरोइन कैट विस्लेट हों या फिर हॉलीवुड की धड़कन एंजेलिना जोली जैसी विश्वविख्यात सेलेब्रिटीज, अगर राजस्थान से गहने खरीदते हैं तो बाकि लोगों को राजस्थान की ज्वैलरी कितनी आकर्षित करती होगी।

⇨ मारवाड़ी घोड़ों की बात हो या फिर नागौर के तंदुरुस्त और विश्वविख्यात बैलों की, पशुधन में राजस्थान का कभी कोई शानी नहीं रहा तभी तो यहां के पशु मेलों का आकर्षण विदेशियों को भी मरुधरा तक खींच लाता है। ऊंट तो राजस्थान की विशेष पहचान रहा है। **- मे.रा.**

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को
हार्दिक शुभकामनायें

Darshan Kiranraj Talesra
Mob: 9773485102

Mahesh Roopchandji Talesra
Mob: 9820695341

Kiranraj Roopchandji Talesra
Mob: 9819722051

House of Smart Kitchen
OSWAL®
Steel Centre Gifts & Crockery Appliances

Dealers in: Every Kinds of Home Appliances

Shop No. 4/5/6, Laxmi Chhaya, Bhabhai Naka Corner, L.T. Road, Borivali West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 092
Email: oswalappliances4@gmail.com | Website: www.oswalappliances.in

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

सोने री धरती जठै चांदी रो आसमान
रंग रंगीलो रस भरियो म्हारो प्यारो राजस्थान
राजस्थान दिवस पर हार्दिक बधाई

Sajan Kumar Dokania
Mob: 9324481239

Sajan Kumar Sunil Kumar

Jay Hind Building No. 1/A, 3 Floor,
Block No- 4, Bhuleshawar, Mumbai,
Maharashtra, Bharat- 400002 Ph: 22088692
Email: annapurnasarees2gmail.com

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के साथ जीवन व्यतीत करें
'होली' पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Devichand Chopra
Mob: 9820323694

Bachraj Developers

Shri Sitaram Sadan, D Block, 1st Floor, 276/286,
Princess Street, Opp. Parsi Dairy, Mumbai- 400002
Off: 22000239/249 Email: info@bachraj.com

ग्रामीण लोक कलाओं से परिचित कराती राजस्थान की कठपुतलियां

'राजस्थान कठपुतली की कला' संसार भर में प्रसिद्ध है, यहां की बनी छोटी, बड़ी 'कठपुतलियां' विदेशी पर्यटक बड़े चाव से अपने साथ ले जाते हैं, विदेशी मेहमानों और प्रतिनिधि मंडलों को जब भी हमारे देश की ग्रामीण लोक कलाओं से परिचित कराया जाता है, तब यहां की 'कठपुतलियां' अवश्य दिखाई जाती हैं। ग्रामीण लोककला के रूप में 'कठपुतलियों' का महत्व हमारे आम सामाजिक जीवन में बहुत अधिक रहा है। जयपुर में राजा-महाराजाओं के समय 'कठपुतली' बहुत बड़ा मनोरंजन एवं सामाजिक बुराईयों को सामने लाने वाला साधन था। 'कठपुतली' के माध्यम से ही किसी भी बात को जन-जीवन के सामने आसानी से रखा तथा समझाया जा सकता था। 'कठपुतली' के कलाकार अपने सधे हुए हाथों से महीन धागों के माध्यम से एक साथ कई किरदारों को निभाते हुए लोक कथाओं को दर्शकों के सामने इस सुन्दर ढंग से रखते थे कि कठपुतलियां सजीव लगने लगती थी, इस लोक कला में जहां बच्चों के लिये मनोरंजन होता था, वहीं बड़ों के लिये सीख भी उपलब्ध रहती थी।

कुछ वर्षों पूर्व गांवों तथा शहरों में 'कठपुतलियों' को बड़े चाव से देखा जाता था। गांव के रसूकदार लोग कठपुतली के खेलों की व्यवस्था रात के समय चौपाल पर किया करते थे। लालटेनों की मद्धिम रोशनी में चौपालों पर कठपुतली का खेल खुब जमता था। कठपुतली का खेल दिखाने वाले अपनी टोली बनाकर गांवों में पहुंचते थे, इनमें गाने बजाने वाले, नाचने वाले और मसखरे भी होते थे, जो स्थानीय भाषा एवं बोली के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करते थे। इन ग्रामीणों से ही कठपुतली के कलाकारों को खाने-पहनने का सामान तथा नगद राशि मिल जाती थी, किंतु धीरे-धीरे गांव, गांव नहीं रह कर शहरों का प्रतिरूप हो गये और गांवों के घरों में रेडियो, टेलीविजन तथा फिल्म प्रदर्शन ने 'कठपुतली' के प्रति लगाव कम कर दिया।

'कठपुतली' के जरिए लोकरंजन करने वाला, लोक जागरण और लोक सुधार का संदेश देने वाला कलाकार एक अंधेरे भविष्य की ओर बढ़ रहा है। 'कठपुतली' कलाकारों की तरक्की के कारगर कदम उठाकर केन्द्र तथा राज्य सरकारें इनके जीवन को सही दिशा दे सकती है। राष्ट्रीयकृत और सहकारी बैंकों से लम्बी अवधि के ऋण उपलब्ध करवा कर उन्हें अपने कलात्मक कार्य को आगेवान के लिए प्रेरित किया जा सकता है। 'कठपुतली' कला को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार की ओर से एम्पोरियमों की भी व्यवस्था की जानी चाहिए, जहां ये लोग अपनी कलाकृतियां बेचकर यथा समय रकम प्राप्त कर सकें। लघु उद्योग निगम और दूसरे विभाग भी इस दिशा में समुचित कदम उठा सकते हैं। कठपुतलियां अरडू के पेड़ की लकड़ी से बनाई जाती हैं, औजारों के जरिये इस लकड़ी की कटाई तथा छिलाई की जाती है। आवश्यकतानुसार 'कठपुतली' का रूप देकर इसे रंगा जाता है और सुनहरे वस्त्र जैसे गोटे किनारी की चुनरी, घाघरा या दाढ़ी मूंछ लगाकर अन्य आवश्यक साज-सामान से सजाया जाता है।

कठपुतलियों को सजाने में तांबे का गोटा लगाया जाता है। नए-नए कपड़ों की कतरन, पक्का रंग, पूरगबूर और सुई-डोरों तथा 'कठपुतली' के किरदार के अनुसार गहने भी पहनाये जाते हैं। 'कठपुतली' को मर्द आकार देते हैं, औरतें उनमें रंग भरती हैं, उनके कपड़े सीलकर तैयार करती हैं, उन्हें सजाकर गुड़ियों का रूप देती हैं, कठपुतलियां तैयार हो जाती हैं।

कठपुतली कला भारतीयता का आदर्श

भारत में कला की समृद्ध परंपरा रही है। समकालीन परिदृश्य में पीछे छूट रही 'कठपुतली' की परंपरा को एक बार फिर से जनमानस से जोड़ने का प्रयास अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाना चाहिए। विदित हो कि कठपुतली कला की उत्पत्ति भारत में हुई, इसके तथ्यगत संकेत तमिल महाकाव्य 'सिलप्पादिकारम' में मिलते हैं। मुख्य धारा की अन्य कलाओं की तरह कठपुतली में भी अभिनय, नृत्य, रंगमंच और मंच से संवाद प्रस्तुति जैसी चीजें होती हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों में कठपुतली को अलग-अलग नाम मिला है, जैसे राजस्थान में 'कठपुतली', ओडिशा में 'कुंधेई', कर्नाटक में 'गोम्बेयटट', तमिलनाडु में 'बोम्मालत्तम', केरल में 'पावाकूथु' और बिहार में 'यमपुरी नाच' और बंगाल में 'पुतुल नाच' कहा जाता है।

'राजस्थान स्थापना दिवस'
पर मेरा राजस्थान के पाठकों को
हार्दिक शुभकामनायें

BHARAT GURJAR
Mob. :- 9224162009
Ex. Mun. Councillor
Ex. President-Bharatiya Janta Yuva Morcha Mumbai
Ex. Sec Mumbai BJP
7 Gazder Street, Chirabazar, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400002
email:- bharatvgurjar@gmail.com

होली का त्योहार, रंगों का त्योहार,
मिलकर मनाएं, खुशियों का त्यौहार
हम सब मिलकर मनाएं होली का त्यौहार

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

LLOYDSMETALS

LLOYDS METALS & ENERGY LTD.

A2, 2nd Floor, Madhu Estate, Pandurang Budhkar Marg,
Lower Parel, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400013,
Tel : +91-22-62918111 | Fax:+91-22-62918260

चहुं ओर स्नेह श्रद्धा, सद्भाव की लहर, न कोई दिखावा,
ना कहीं आडंबर प्रकृति का अनोखा उपहार है 'राजस्थान'

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को

हार्दिक शुभकामनायें

Damodar Kabra

Mob: 9820083558

Kabra Associates

222, Wadala Udyog Bhawan, Naigaon Cross Road,
Wadala, Mumbai, Bharat- 400031

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को
हार्दिक शुभकामनायें

Ramavtar Agarwal

Mob: 9830556652

Kolkata

A PROUD MEMBER OF MERA RAJASTHAN

राजस्थानी संस्कृति री खास ओळख करावती पागड़ी

मिनख जीवण री सरसता सारु अनुशासन ज्ञान, परमात्मा री कल्पना अर केई मरजादावां नै निरोगी अर सैयोगी भावना रौ आधार बणायौ। होळै-होळै मिनख आपरै जीवण रा हरेक क्षेत्र में तरक्की करी अर नगर-विकास रै साथै उणरै खाण-पाण, पहनावा आद ई सुधरता गया। रितुवां माथै आधारित धारमिक तिंवारां री पौराणिक मान्यतावां मुजब अपणायोड़ी सांस्कृतिक परंपरावां मिनख रै सामाजिक जीवण रै साथै विकसित हुवण लागी।

पैली सदी (ई.पू.) रा भित्तिचित्रां में पगाड़ियां रौ अंकन मिळै। अजंता अर अेलोरा री गुफावां में खुदियोड़ी मूर्तियां में पगाड़ियां रा सरुआती इतिहास खोज्यौ जाय सकै। शुंगकालीन प्रस्तर मूर्तियां अर कुशाण सूं गुप्त काल तांई रा चित्रां अर हस्तलिखित ग्रंथां में लगभग १३वीं सदी सूं आज तांई जागा-जागा पगड़ियां रौ चित्रण हुयौ है।

मिनिअेचर्स माय पगड़ियां री रंगीन प्रथा अकबरकालीन चित्रां सूं मालूम हुवै। इणसूं पैला रा चित्रां माय धोळी पगड़ियां घणी हुवती। पगड़ियां माय बदळाव आवण रौ खास कारण क्षेत्रीय अर उणरै राजावां रौ प्रभाव रैयौ है। भारतीय वेशभूषा नै अकबर जरुर अपणाई पण भारतीय पगड़ियां माथै मुगलाई सिणगार रौ प्रभाव ई देखियौ जा सकै। मुगलां रा खाण-पाण अर पहनावा रौ प्रभाव अठारा राजावां माथै पड़ियौ अर उणरा दरबारियां ई उणनै अपणाई। राजस्थान री पाग पगाड़ियां क्षेत्रीय प्रभाव अठा री सांस्कृतिक अर सामाजिक मान्यतावां रै कारण हावी रैयी। मारवाड़ में पाग, पागड़ी और पेचा आदि रौ प्रयोग परंपरागत प्रणाली सूं हुवतौ रैयी है।

साफा रौ प्रयोग महाराजा जसवंतसिंह द्वितीय रै समै में मारवाड़ में सरु हुयौ। महाराजा सरदारसिंह अर सर प्रताप साफा रा पेच परिस्कृत करियौ अर उणने सगळा राजस्थान री पिछाण रौ प्रतीक बणायौ। साफौ उच्च वरग में प्रचलित हुयौ जदके 'पोचियौ' या 'फेंटौ' गांवांई परिवेस अर दूजी जातियां री पगड़ी रै रुप में जाणीजण लागौ। राजस्थान में पगड़ी रौ स्थान सबसूं उपर है अर उणरौ महत्व ई घणौ आंकीजियौ है। आपांरी संस्कृति में माथै नै सर्वोत्तम मानीजो है, इण सारु उण पर धारण की जावण वाळी पगड़ी रौ महत्व कम क्यूंकर हुवतौ।

आपांणा कवियां तौ पगड़ी नै ई वीरां री अेकाअेक शोभा मानी है। उणां कायरां नै पगड़ी नीं धारण करण री सीख दीवी है क्यूंके वे पगड़ी रै मान री रक्षा करण जोग नीं है। इणी सारु बांकीदास व्यंग करतां थकां लिखियौ -

मावड़िया सोवै नहीं, मुख मूंछां सिर सूत
जुद्ध निवड़ियां मरियोड़ा सैनिकां री पिछांण
उणारी पागड़ियां रा पेच सूं हुवती

राजस्थान में कोई प्रकार रा रिवाज, परंपरावां अर मर्यादावां पगड़ियां सूं जुड़ियोड़ी है। इणनै कोई व्यक्ति विशेष नीं बणाई। आं अणलिखि परंपरावां नै समाज समै-समै माथै स्वीकार कियौ, अर उणनै आम स्वीकृति मिळती गयी। पगड़ी अठा री संस्कृति में रसी-बसी है। अठै सिगरी (सपरिवार) न्यूतौ देवणौ हुवै तौ उणनै पगड़ीबंध न्यौतौ कैवे, यानि घर में पगड़ी पैरण वाळा सगळा लोग आमंत्रित है। मारवाड़ में अेक खास प्रकार रौ कर लागतौ। घर में जितरा पगड़ी बांधण वाळा हुवता, उणरै मुजब उणां नै राजकोष में अेक प्रकार रौ कृषिकर जमा करावणौ पड़तौ। इण कर री वजै सूं केई दफा गांवांई लोग आपरै बेटै ने मोट्यार हुयां ई पगड़ी बंधावता जिण समें उण कर सूं बचियौ जाय सकै। **शेष पृष्ठ २१ पर...**

बात पुरानी है। म्हैं समाचार अर कोई लेख रै स्तंभ ढूंढतो थकं अेक साफा अर टोपी रा निरमाता-व्यापारी सूं मिळियौ। वां व्यापार रै बारै में बात करतां थकां म्हनै अेक ब्लैक एंड व्हाइट फोटौ दिखावतां उण फोटौ री खासियत पूछी। फोटौ घणौ पुराणौ हौ अैड़ी लागतौ औ फोटौ आजादी सूं पैली रौ हौ। म्हैं जवाब दियौ, औ फोटौ इत्तौ पुराणौ जद के फोटौ खेंचणौ ही मोटी बात ही। वां कैयौ गौर सूं देखौ। म्हैं फोटौ री खासियत ढूंढण री निजर सूं फोटौ नै देख्यौ तौ फोटो में समूह रुप में बारै सूं पंद्रै लोग हा, चार पांच लोगां री गोद में टाबर ई हा, जिणां री माथै पर पगड़ी ही। म्हैं कैयौ इण फोटौ में छोटा-बड़ा टाबरां अठै तांई के गोद रा टाबरां रै ई साफौ बांध्योड़ौ है। उणां कैयौ हां आ इज खास बात है इण फोटौ में। अेक समै हौ जद संस्कृति अर समाज में सगळा साफा बांधता हा। कोई भी उघाड़ै माथै घर सूं बारै नीं जावतौ। जे कोई उघाड़ै माथै घर सूं बारै निकळ ई जावतो तौ देखण वाळा उणनै देख'र नागौ कैवता। पण आज कोई उघाड़ै माथै घूमै उणनै कोई नागौ नीं कैवै। वे संस्कृति-संस्कारां री बात करतां थकां बतायौ के लोग घर रै आगै बोरड़ी नीं लगावता क्यूंके उणमें अटक'र साफौ जमीं माथै पैरां में पड़ जावै। औ वो जमानौ हौ जद आखिरी याचना रै रुप में आपरी पगड़ी सांम्ही वाळै रै पांव में राखियां पछै उणनै माफ करणौ ई पड़तौ। इणी सारु पगड़ी अनमोल हुवती अर जिकी समाज रै जाति-वर्ग अर ओहदां रै मुजब रंग अर बणावट में धारण करीजती जिकी उणरी जाति अर पद री ओलख करावती। भारत रा लगैटगै सगळां प्रांतां में सगळा धरम रा लोग किणी न किणी रुप में साफो, पगड़ी अर टोपी जरुर धारण करै।

जय श्री पूनरासर बाबेरी

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के साथ
जीवन व्यतीत करें
'होली' पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Manmohan Daulal Rathi
Mob: 9820054023/ 9167699111

MM RATHII STOCK PVT. LTD.

Dealing in:
Listed, Unlisted & Securities and Physical Shares

R. No. 1A, Cadinal Gracious Road, Cigarette Factory, Chakala, Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400069 Email: bablurathi@gmail.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

श्री गणेशाय नमः

सोने री धरती जठै चांदी रो आसमान
रंगरंगीलो रस भरियो म्हारो प्यारो राजस्थान।
राजस्थान दिवस पर हार्दिक बधाई

ईमानदारी ही सफलता की कुन्जी है

Chandgothia Estate Consultants

Shop -9, "Gardenia", Vasant Valley, Film City Road, Malad East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400097
Ph: 022-40032870 / 35012014
e-mail: chandgothiaestate@gmail.com

YOGESH CHANDGOTHIA
Mob. 09820053630
MITESH CHANDGOTHIA
Mob. 09322218602

भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

पृष्ठ २० से... पाग-पगड़ियां रौ भौगोलिक, ऐतिहासिक अर सांस्कृतिक दीठ सूं राजस्थान रौ खास स्थान है। अठा रौ सांस्कृतिक परिवेश आपरै निजी रुप में घणौ भव्य, निरालौ अर अनूठो है। पगड़ी रै बिना आदमी अधूरौ सो लागै। पगड़ी संपूर्णता रौ प्रतीक, बहादुरी रौ सोपान अर आपांरी रंगभीनी संस्कृति री ओळख है।

इतिहास रा ताना-बाना सूं इणरी परंपरावां प्रतिष्ठित हुई अर धरम रा करमकांडां, संदर्भा माय पगड़ी री आपरी न्यारी मान्यता अर मर्यादा रैयी है। सैकड़ां बरसां सूं जुड़ी आ परंपरा आज ई आपां रै आस-पास बचियोड़ी है। कवियां री लेखनी ई पगड़ियां री परंपरा नै कदैई विजोगण री दीठ सूं देखियौ तौ कदैई केसरिया बाना धारण करियोड़ा सूरमावां रै दृढ संकल्प में उणनै खास स्थान दियौ। सुरंगी पाग अर केसर भीगै वातावरण में उण विजोगण रै विरह नै और घणौ बधा दियौ -

पाग सुरंगी पीव री, सालू त्रिया सुरंग
केसर भीना कुमकुमै, पुसपां भरया पिलंग

पंचरंगी पाग रा संदर्भ में चन्द्रमुखी प्रिया सगळा समरपण रै साथै अेक रंग होवण नै तत्पर रौ न्यौतौ देवै अर उणनै औ ई जतावण री कोसीस करै के बरसात में भीगी पाग सूं टपकतै पाणी नै जद म्हैं देखूंली तौ म्हनै भरोसो हुवैला के थांनै म्हारा सूं सिरै बजारां वाणिया, मुख मूंछां फरकंद।

मारवाड़ में बातां कैवण रौ अेक न्यारी ढंग हुवै जिणमें बात कैवण वाळौ एक सबद- आपरां भावां नै यूं वक्त करै :

चन्द्रमुखी री चूंदड़ी, पिय की पंचरंग पाग
सेजड़ली नै सुण सखी, रह्यौ आज रंग लाग

मारवाड़ री भगत शिरोमणि मीरांबाई भगवान री कसूमल पाग अर उणरा केसरिया जामा बाबत यूं कैयौ है -

कसुमल पाग केसरिया जामा, ऊपर फूल हजारी
मुकट ऊपरे छाग बिराजे, कुंडल की छब न्यारी

प्रेम है -

आज धुराऊ धूंधलौ, मोटी छांटा मेह।
भींजी पाग पधारस्यौ, जद जाणूंली नेह।।

पगड़ी बाबत अेक लोक गीत इण भीत है-

ऐ झटपट बांधी पागड़ी रुणझूणियो ले
ऐ दौड़्या बागां जाय, जाजो मरवो ले

बांकीदास अेक अजीव व्यक्तित्व रौ बखाण हंसा रौ पुट देय'र इण सबदां में कियौ है-

कर कम चाले जीभ इत, सिर पागड़ सिरगंद। चितराम खेंच देवै। बात खतम हुवण साथै छोगा कैवण री रिवाज है जिणमें पगड़ी रौ उल्लेख मिळे-

केई नर सूता केई नर जागै
जागतड़ा री पागड़िया ढोल्यां रै पागै
सूतोड़ा री पागड़ियां जागतड़ा ले भागै
फोरा पतळा रौ दाव नीं लागै

शेष पृष्ठ २२ पर...

होली का त्योहार, रंगों का त्योहार, मिलकर मनाएं, खुशियों का त्यौहार
हम सब मिलकर मनाएं होली का त्यौहार

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी
राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Damani Shreekant Gwaldas
Mob : 9821064779

Damani Enterprises

"A" Class Govt. Electrical Contractor

"A" Class Govt. Electrical Contractor
Shop No. 14, Pujit Plaza, Plot No. 67, Sector 11,
CBD Belapur, New Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400614

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के साथ जीवन व्यतीत करें
'होली' पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Surendra Gadia
Mob. :9322224958

Dwarkadas Omprakash
SURENDRAKUMAR AJAYKUMAR & Co.

DEALING IN ALL KINDS OF FABRIC & APPARELS

Jaihind Bldg , 1/A, 3Rd Floor, R No 1A, Bhuleshwar,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 002
Off. 022-66336712 /40055373
Email:- dwarkadas.omprakash@gmail.com

पृष्ठ २१ से... मारवाड़ में रितुवां अर तिंवारां मुजब पाग-पगड़ियां रा रंगां रौ चयन हुवै। उदाहरण रुप में बसंत रितु में गुलाबी, गरमी रितु में फूल गुलाबी अर लहरिया, बरखा रितु में लाल चंदनिया। सावण-भादवा में बरखा री फुंआरां ज्यूं ई पाग नै भिजोवै, उणमें चंदण री सुगंध आवण लागै। आसोज अर काती री सरद रितु में गुल-अे-अनार री पाग बांधी जावै। मिगसर अर पौष, हेमंत रितु में भांत-भांत री पगड़ी जिणनै 'मौळिया' कैवै, बांधण ही परंपरा है। शिशिर रितु माघ अर फागण में आवे जिणमें फागुणिया अर होळी माथै केसरिया रंग बांधण रौ आम रिवाज है।

मेवाड़ रा राजपरिवार में रितुवां मुजब पगड़ी बांधण रौ रिवाज है। सावण भादवा में हरे रंग री, सरदी में कसुंभी अर गरमी में केसरिया रंग री पगड़ी पसंद की जावै। मेवाड़ रा महाराणा चेत सुद ३ सूं ६ तांई गणगौर उछब मनावै। उण समै महाराणा अर उणांरा १६ बतीसा उमराव गणगौर री तिंवार माथै कसुंबल, सुआपांखी, गुलाबी अर केसरिया रंग री पागां धारण करै। सावण सुद ३ मेवाड़ में छोटी तीज मनाईजै। उन दिन गुलाबी अर धोळी धारीवाळी लहरिया पाग बांगण रौ रिवाज है। भादवा वद ३ काजळी तीज रै रुप में मनाईजै। इण मौके धोळी अर काळी धारियां री बंधेज री पागां बांधीजै। उण माथै सोनै री छपाई रौ काम भी हुवै। आंसजी नवरात्रा रै पछै दसरांवा तिंवार माथै महाराणा सलमा-सितारा वाळी जुलूसी पाग धारण करै। बसंत पांचम माथै केसरिया अर पीळा रंग री पाग जणि माथै गुलाबी छांटा दियोड़ा हुवै, बांधण री परंपरा मेवाड़ में रैयी है। होळी माथै धोळी फागुणी पाग बांधण रौ रिवाज है।

मारवाड़ राजपरिवार में तिवारां माथै रंगा रौ चयन ही न्यारौ है। गणगौर, आखातीज अर दसरावा तिंवार माथै महाराजा अर दूजा सामंत केसरिया रंग रा साफा धारण करै। दीवाळी री रात काळी चूंदड़ी रौ साफौ, जिणमें सलमा-सितारा री पगड़ी रा दोनां किनारां माथे कलात्मक काम हुवै, बांधिया जावै। राखड़ी माथै चटकीलै रंग री मोठड़ा पाग बांधीजै। बसंत पांचम नै पीळै रंग रौ साफौ अर उण माथै गुलाबी छांटा लाग्यौड़ा हुवै। सरद पूनम नै फूल गुलाबी साफा बांधण रौ रिवाज जोधपुर राजपरिवार माय है। सावण में समंदर लहर, इन्द्रधनुषी साफा बांधण री रिवाज आज भी है। होळी रा तिंवार माथै धौळा साफा माथै राता लाडू भांत बंधेज वाळा साफा बांधीजै। जोधपुर राजपरिवार में ब्याव सूं पैला पीठी री रस्म रै मौके राता पल्लां वाळा काळा साफा बांधण रौ रिवाज है अर फेरां रै समै दूल्हे रौ साफौ केसरिया रंग री ई हुवै।

मेवाड़ रा महाराणा भूपालसिंहजी बाबत कैयौ जावै के वे आपरी पाग नै धारण करियां पछै उणनै 'धारण री पाग' री श्रेणी में राखता अर पछै उणनै आपरा मरजीदानां नै भेटस्वरुप दे देवता। महाराणा फतेहसिंहजी आपरा जंवाई जोधपुर रा महाराजा सरदारसिंहजी रा देवलोक हुयां पछै कदैई रंगीन पाग नीं बांधी। वे फगत धोळा रंग री पाग धारण करता, जिण माथै शोकसूचक काळी डोरी हुवती। मेवाड़ में पाग रौ जीवणौ हिस्सौ 'खग' ऊपर उठियोड़ौ तीखा आकार रौ हुवतौ, जिणसूं बांधण वाळा री वीरता रौ जीवणौ हिस्सो सिर माथै दबियोड़ौ निगै आवतौ जिकौ उणां री नम्रता रौ प्रतीक मानियौ जावतो।

मारवाड़ में कंवरपदा शोक रा रंग ज्यूं मलयागिरी, खाकी, आसमानी इत्याद बांधण री मनाही ही। अैड़ा अवसरां माथै सिंधरुपी रंग रौ साफौ बांधियौ जावतौ। राजस्थान रा शहरी परिवेस में पागड़ी परंपरा नै ब्याव, गमी तांई सीमित कर दियौ है, पण गांवां में पागड़ी रौ प्रचलन आज ई है अर वाण वाळा सैकड़ां बरसां तांई रैवैला। जे इण परंपरा की जड़ां गैरी नीं हुवती तौ और रिवाज कदैई उठ जावतौ। पागड़ी परंपरा आपांणै संस्कारां सूं जुड़ियोड़ी है अर इणरौ अंत आपांणा संस्कारां री समाप्ति माथै ई हुवैला।

गुड़ी पाड़वा आया, अपने साथ नया साल लाया

'गुड़ी पाड़वा' मुख्य रूप से मराठी समुदाय में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है, इस पर्व को भारत के अलग-अलग स्थानों में अलग नामों से जाना जाता है। भारत के अलग-अलग प्रदेशों में इसे उगादी, छेती चांद और युगादी जैसे कई नामों से जाना जाता है, इस दिन घरों को स्वस्तिक से सजाया जाता है, जो हिंदू धर्म में सबसे शक्तिशाली प्रतीकों में से एक है। यह स्वास्तिक हल्दी और सिंदूर से बनाया जाता है, इस दिन महिलाएं प्रवेश द्वार को कई अन्य तरीकों से सजाती हैं और रंगोली बनाती हैं, माना जाता है कि घर में रंगोली नकारात्मकता को दूर करती है। 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों को बताते है कि 'गुड़ी पाड़वा' के इतिहास और इससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में:

गुड़ी पड़वा का महत्व

'गुड़ी पाड़वा' को अलग-अलग जगहों पर अलग रूपों में चिन्हित किया गया है। कई जगह इसे नए साल की शुरुआत के रूप में मनाया जाता है, ऐसा माना जाता है कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की थी। एक मान्यता के अनुसार सतयुग की शुरुआत भी इसी दिन से हुई थी, महाराष्ट्र में इसे मनाने का कारण मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की युद्ध में विजय से है। माना जाता है कि उनके युद्ध में विजयी होने के बाद से ही 'गुड़ी पाड़वा' का त्योहार मनाया जाने लगा। 'गुड़ी पाड़वा' को रबी की फसलों की कटाई का प्रतीक भी माना जाता है।

गुड़ी पाड़वा का अर्थ

'गुड़ी पाड़वा' नाम दो शब्दों से बना है- 'गुड़ी', जिसका अर्थ है भगवान ब्रह्मा का ध्वज या प्रतीक और 'पड़वा' जिसका अर्थ **शेष पृष्ठ २४ पर...**

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Vinod Jugaraj Lodha (Jain)
Mob.:- 9324615767

Sagar Cottton Mills
Mfg. of Dyed Rubia, Fancy & Cotton Cotton Fabrics
8, Malhar Rao Wadi, 1 Floor, Dadi Seth Agyari Lane,
Kalbadevi Road, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400002
Mob.:- 8928792049 | e-mail:- sagarcottonmills2007@gmail.com

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Naresh J. Jain (Lodha)
Mob.:- 9820285701
Member Zonal Manager's Club for Agents
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA MDRT
Off.: Br.No. 88J, Madhav Nagar C.H.S., Bhavani Shankar Road,
Dadar West, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400028

Varshit Lodha
Propiter
Mob.:- 8879263828
7977218707

SWASTIK FAB TEX
Godown No.G-302,3Rd Floor,
Dharam Era, Ajur Mankoli Road,
Bhiwandi, Dist-Thane,
Maharashtra, Bharat-42102

!! Shree Hari !!

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Raghav Didwania
Mob: 99670 04558
Khushi Didwania
Mob: 99872 22473

काज BUTTON

Unit No. C-1, Ground Floor, Synthofine Industrial Estate,
Vishweshwar Nagar, Behind Virwani Indl. Estate,
Goregaon East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400063

@kaajbuttonstudio

By Appointment Only

Specialise in Men's Kurta and Bandi

पृष्ठ २३ से... है चंद्रमा के चरण का पहला दिन, इस त्योहार के बाद रबी की फसल काटी जाती है क्योंकि यह वसंत ऋतु के आगमन का भी प्रतीक है। गुड़ी पाड़वा में 'गुड़ी' शब्द का एक अर्थ 'विजय पताका' से भी है और पड़वा का अर्थ प्रतिपदा तिथि है, यह त्यौहार चैत्र (चैत्र अमावस्या की तिथि) शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि मनाया जाता है और इस मौके पर विजय के प्रतीक के रूप में गुड़ी सजाई जाती है। ज्योतिष विद्या की मानें तो इस दिन अपने घर को सजाने और गुड़ी फहराने से घर में सुख समृद्धि आती है और पूरे साल खुशहाली बनी रहती है, यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी माना जाता है।

गुड़ी पाड़वा का इतिहास

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार माना जाता है कि 'गुड़ी पाड़वा' के दिन भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की थी, इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि इस दिन ब्रह्मा जी ने दिन, सप्ताह, महीने और वर्षों का परिचय दिया था। उगादि को सृष्टि की रचना का पहला दिन माना जाता है और इसी वजह से 'गुड़ी पाड़वा' पर भगवान ब्रह्मा की पूजा करने का विधान है। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि इसी दिन भगवान श्री राम विजय प्राप्त करके वापस अयोध्या लौटे थे, इसलिए यह विजय पर्व का प्रतीक भी है।

गुड़ी पाड़वा की पूजन विधि क्या है?

इस पावन दिन के अवसर पर लोग सुबह उठकर बेसन का उबटन और तेल लगाते हैं और इसके बाद वह प्रातःकाल ही स्नान करते हैं, जिस स्थान पर

लोग 'गुड़ी पाड़वा' की पूजा करते हैं, उस स्थान को बहुत ही अच्छी तरह से स्वच्छ एवं शुद्ध किया जाता है, इसके बाद लोग संकल्प लेते हैं और साफ किए गए स्थान के ऊपर एक स्वास्तिक का निर्माण करते हैं और इसके बाद बालों की विधि का भी निर्माण किया करते हैं।

इतना करने के बाद सफेद रंग का कपड़ा बिछाकर हल्दी-कुमकुम से उसे रंगते हैं और उसके बाद अष्टदल बनाकर ब्रह्मा जी की मूर्ति को भी स्थापित किया जाता है और फिर विधिवत रूप से पूजा अर्चना की जाती है।

आखिर में लोग गुड़ी यानी की एक झंडे का निर्माण कर उसको उस पूजन स्थल पर स्थापित करते हैं।

रामनवमी पर्व
मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम जन्मोत्सव पर विशेष

हिंदू धर्म को सर्वोच्च रखने वाली भारत की भूमि हमेशा से ही एक पवित्र भूमि रही है, इतिहास के पन्नों को पलट कर देखा जाए तो यहाँ कई देवी- देवताओं के मनुष्य अवतार का वर्णन मिलता है, इसी इतिहास की ओर लौटकर देखा जाएं तो जब रावण के अत्याचार बहुत बढ़ गए और आमजन परेशान हो गए तो इन अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए पुनः भारतीय भूमि पर एक महापुरुष ने जन्म लिया, इस महापुरुष का नाम भगवान राम था, जिन्होंने विद्वान पंडित रावण के अत्याचारों से मुक्ति दिलवाई और उस वक्त लोगों का उद्धार किया। त्रेता युग में जन्में भगवान राम के जन्मदिवस को ही 'राम नवमी' के रूप में मनाया जाता है। सनातन धर्म में पूरे वर्ष कोई ना कोई त्योहार मनाया जाता है, जिनका अपना एक अलग महत्व होता है, उसी तरह से 'राम नवमी' का यह त्योहार धरती पर से बुरी शक्तियों के पतन और यहाँ साधारण मनुष्यों को अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए भगवान के स्वयं आगमन का प्रतीक माना जाता है, इस दिन धरती पर से असुरों के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु ने स्वयं धरती पर श्रीराम के रुप में अवतार लिया था। 'राम नवमी' सनातन धर्मियों को मानने वालों के लिए एक खास पर्व है, जिसे वह पूरे उल्लास के साथ मनाता है, इस दिन जन्में श्रीराम ने धरती पर से रावण के अत्याचार को समाप्त कर यहाँ राम राज्य की स्थापना की थी और दैवीय शक्ति के महत्व को समझाया था, इस दिन ही नवरात्रि का आखरी दिन होता है, इसलिए दो प्रमुख हिन्दू त्योहारों का एक साथ होना, इस त्योहार के महत्वता को और अधिक बढ़ा देता है। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्री गोस्वामी तुलसीदास जी ने जिस राम चरित मानस की रचना की थी, उसका शुभारंभ भी उन्होंने नवमी के दिन से किया था।

राम जन्म अवतार इतिहास कथा

प्राचीन धर्म ग्रंथों के अनुसार त्रेता युग में जब धरती पर रावण और तड़का जैसे असुरों का आतंक का घड़ा भर गया तो स्वयं भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के अवतारों का धरती पर आगमन हुआ और इन्होंने अपने भक्तों का उद्धार किया। प्राचीन लोक कथाओं में उल्लेख मिलता है की, त्रेता युग में अयोध्या के राजा दशरथ की ३ पत्नियाँ थी, परंतु फिर भी वे संतान सुख से वंचित थे। महाराज दशरथ ने अपनी एकमात्र पुत्री शांता को गोद दे दिया था, जिसके बाद उन्हें कई सालों तक कोई संतान नहीं हुई, इससे व्यथित राजा दशरथ को ऋषि वशिष्ठ ने कामेष्ठि यज्ञ करवाने की आज्ञा दी, इस यज्ञ के फलस्वरूप राजा दशरथ के यहाँ तीनों रानियों को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और उनकी प्रथम पत्नी कौशल्या की कोख से भगवान राम का जन्म हुआ, राजा दशरथ के तीन अन्य पुत्र भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न थे।

राम के गुरु :

ब्रह्म ऋषि वशिष्ठ भगवान राम के गुरु थे, जिन्होंने उन्हें वैदिक ज्ञान के साथ शस्त्र-अस्त्र में निपूर्ण किया। ब्रह्म ऋषि विश्वामित्र ने भी राम को शस्त्र विद्या दी और इन्हीं के मार्गदर्शन में राम ने तड़का वध एवम अहिल्या उद्धार किया और सीता स्वयम्वर में हिस्सा लिया और धरती की कोख से प्रकट हुई जनक पुत्री सीता से विवाह किया।

राम वनवास कथा :

अयोध्या के महाराज दशरथ अपने जेष्ठ यानी बड़े पुत्र राम को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते थे, लेकिन उनकी अन्य पत्नी कैकई की मंशा थी कि उनका पुत्र भरत सिंहासन पर बैठे, इसलिए उन्होंने राजा दशरथ से अपने दो वरदान (यह वे वरदान थे जिनका वचन राजा दशरथ ने तब दिया था, जब युद्ध के दौरान रानी कैकई ने राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा की थी) मांगे, जिसमें उन्होंने भरत का राज्य अभिषेक और राम के लिए वनवास माँगा और इस तरह भगवान राम को चौदह वर्षो का वनवास मिला, इस वनवास में सीता एवम भाई लक्ष्मण ने भी अपने भाई के साथ जाना स्वीकार किया, साथ ही भरत ने भी भातृप्रेम को सर्वोपरि रखा और एक वनवासी की तरह ही चौदह वर्षो तक अयोध्या को एक अमानत के रूप में स्वीकार किया।

वनवास काल :

भगवान श्रीराम ने सैकड़ों असुरों का संहार किया, शायद कैकई के वचन केवल आधार थे, क्यूंकि नियति कुछ इस प्रकार थी। भगवान राम ने अपने वनवास काल में हनुमान जैसे सेवक, सुग्रीव जैसे मित्र को पाया, नियति ने सीता अपहरण को निम्मित बनाकर रावण का संहार किया, **शेष पृष्ठ २६ पर...**

पृष्ठ २५ से... सीता जन्म का उद्देश्य ही रावण संहार था, जिसे श्री राम ने पूरा कर मनुष्य जाति का उद्धार किया।

राम राज्य :

भगवान श्रीराम ने वनवास काल पूरा किया और भरत ने अपने बड़े भाई को अयोध्या का राज पाठ सौंपा। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने एक ऐसे राम राज्य की स्थापना की, जिसे सदैव आदर्श के रूप में देखा गया। राम ने प्रजा हित के लिए सीता का परित्याग किया। अपने दिए गए कर्तव्यों के लिए उन्होंने स्वहित को द्वीतीय स्थान दिया और इस तरह राम राज्य की स्थापना की।

राम के लव कुश :

सीता ने प्रजाहित के लिए राजपाठ का त्याग किया और अपना जीवन वाल्मीकि आश्रम में व्यतीत किया, इस दौरान सीता ने दो पुत्रों को जन्म दिया, जिनका नाम लव और कुश था, यह दोनों ही पिता के समान तेजस्वी थे, इन्हीं के हाथों राम ने अपने राज्य को सौंपा और स्वयं विष्णु अवतार को धारण कर अपने मानव जीवन को छोड़ा।

राम नवमी क्यों मनाते हैं?

त्रेता युग में लोग रावण नामक राक्षस के दुराचार से लोग परेशान हो गए थे, रावण महाज्ञानी था और महापराक्रमी होने के साथ ही वह भगवान शिव का महाभक्त भी था, उसे वरदान था कि उसका खात्मा किसी साधारण मनुष्य के वश में नहीं था, तब लोगों को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए भगवान विष्णु ने स्वयं धरती पर अवतार लिया, उनका जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन रानी कौशल्या की कोख से हुआ था, इसलिए यह दिन सभी भारत वासियों के लिए खास है, जिसे विशेष उत्साह के साथ पूरे देश में मनाया जाता है।

रावण का वध करना श्री राम के पूजन का कारण नहीं है, बल्कि श्री राम का पूरा जीवन ही एक उदाहरण है, अपने जीवन चरित्र के चलते श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए, आपने अपने पिता के एक आदेश मात्र पर, महल के सुख का त्याग कर वन जीवन को स्वीकार किया, इस प्रकार आपके जीवन को एक आदर्श जीवन के रूप में प्रस्तुत करना और आने वाली पीढ़ियों तक यह संदेश पंहुचाना भी इस दिन को मनाने का एक उद्देश्य है।

राम नवमी कैसे मनाई जाती है :

श्रीराम नवमी भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह त्योहार चैत्र माह की नवमी तिथि के दिन पड़ता है, चैत्र माह में माता दुर्गा के नौ रुपों का पूजन किया जाता है, इसी दौरान नवरात्रि के नौवे दिन राम नवमी होती है, हिन्दू धर्म में इस दिन विभिन्न धार्मिक ग्रंथों का पाठ, हवन पूजन, भजन आदि किया जाता है, इस दिन कई लोग शिशु रूप में भगवान राम की मूर्ति पूजा भी करते है, दक्षिण भारतीय लोग इस पर्व को भगवान राम और देवी सीता की शादी की सालगिरह के रूप में मानते है, परंतु रामायण के अनुसार अयोध्यावासी पंचमी के दिन इनका विवाहोत्सव मनाते हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में इस त्योहार को मनाने का तरीका भी अलग है, जहां अयोध्या और बनारस में इस दिन गंगा और सरयू में स्नान के बाद डुबकी लगाई जाती है और भगवान राम, सीता और हनुमान की रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है, वहीं अयोध्या, सितामणि, बिहार, रामेश्वरम आदि जगहों पर चैत्र पक्ष की नवमी पर भव्य आयोजन किए जाते हैं, यह दिन सभी हिंदुओं के लिए खास होता है, बस सबके मनाने का तरीका अलग होता है।

कई जगहों पर इस दिन पंडालों में भगवान राम की मूर्ति की स्थापना भी की जाती ह, यह दिन भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या में विशेष रूप से मनाया जाता है, यहाँ भव्यतिभव्य भगवान राम का मंदिर निर्माण चल रहा है। राम का जन्म अभिजित नक्षत्र में दोपहर बारह बजे चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी को हुआ था, कई जगहों पर इस दिन सभी भक्तजन अपना चैत्र नवरात्री का उपवास दोपहर १२ बजे पूर्ण करते हैं, घरों में खीर-पुड़ी और हलवे का भोग बनाया जाता हैं, कई जगहों पर राम स्त्रोत, राम बाण, अखंड रामायण आदि का पाठ होता है, रथ यात्रा निकाली जाती हैं, मेला सजाया जाता हैं।

पूजा सामग्री और पूजन विधि :

पौराणिक भारतीय मान्यता के अनुसार भगवान राम सूर्य के वंशज थे, इसलिये यह दिन सूर्योदय के साथ ही सूर्य को जल अर्पण कर शुरूआत की जाती है, इतना ही नहीं इस दिन कई जगहों पर लोग अखंड रामायण का पाठ भी करते हैं और राम जन्म के समय उनकी मूर्ति का विशेष अभिषेक कर उन्हें तिलक सामाग्री अर्पित की जाती है, फिर उन्हें धूप आदि लगाकर उन्हे भोग अर्पित किया जाता है। भगवान श्रीराम का जीवन यह बात भी दर्शाता है कि जब-जब धरती पर अत्याचार बढ़ेंगे और पाप का घड़ा पुण्य से ज्यादा होगा तो आम जनता को उनसे बचाने वाले का भी अवतरण होगा, वैसे तो संपूर्ण भारतीय इतिहास ही इस बात का उदाहरण है तभी तो यहाँ कृष्ण, राम, महावीर, बुद्ध आदि कई भगवान के अवतरण के प्रतीक आज भी देखने के लिए मिलते हैं।

रंगारंग होली के त्यौहार पर हार्दिक शुभकामनाएं

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को
हार्दिक शुभकामनायें

Unsaturated Polyester Resin | Saturated Polyester Resin | Alkyl Phenolic Resin | Phenol Formaldehyde Resin

DINESH KANORIA
Chairman

KANORIA
CHEMBOND PRIVATE LIMITED

MANUFATURING AND EXPORTER OF POLYESTER RESIN, SATURATED, UNSATURATED, PURE PHENOLIC RESIN, ALKYL PHENOLIC RESIN

Office
906, Unique Tower, Gaiwadi Industrial Estate, Off S.V. Road, Goregaon West, Mumbai, Maharashtra, Bharat 400062 Ph: +91 22 28776126
TelFax : +91 22 66963120 Email: resin@kanorias.com Web: www.kanorias.com

Factory
40/1/1, Alman Village Road, Off Wada Manor Road, Village Varle, Wada, Dist. Thane, Maharashtra, Bharat - 421303

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Vinod Jhirmiria
Director
Mob: 9324801652

Anand Sharma
Director
Mob: 7728-900388

Iraj Microns
Private Limited

Office: 30, Madhav Vihar, Shabhagpur, Udaipur, Rajasthan, Bharat - 313 001
Factory: Khata No. 134, Adress Aara Ji- 4936 / 3084, Near Soniya Mineral, Gudli Industrial Area, Udaipur, Rajasthan, Bharat
Email: iraj.microns@gmail.com | **Web:** www.irajmicrons.com

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं रोटरी क्लब ने कराया 108 आदिवासियों का सामूहिक विवाह
मैरिज सर्टिफिकेट बनने से अब मिलेगा सरकारी फायदा

ठाणे: रोटरी क्लब और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में पालघर जिले के डहाणू तालुका स्थित तलवाड़ा गांव के १०८ आदिवासियों का सामूहिक विवाह कराया गया। समारोह में लगभग ५००० स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि यह उनके विवाह को वैध स्वरूप प्रदान करने के लिए किया गया ताकि उन्हें सरकारी विवाह प्रमाणपत्र मिलने के बाद वे विविध सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। कागजी कार्रवाई नहीं कर पाने के कारण अब तक वे इससे वंचित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन रोटरी डिस्ट्रिक्ट- ३१४१ के गवर्नर अरुण भार्गव ने किया। सभी नविवाहित युगलों को विवाह के परिधान, बर्तन, चटाई, बेडशीट, कुछ आभूषण आदि दिए गए। संगठन ने इस मौके पाए यहां ५००० लोगों के लिए भोजन, संपूर्ण मंडप व पुजारी आदि की उचित व्यवस्था की थी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रुक्मिणी इंगले, गिरीश अग्रवाल, रोटरी क्लब के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, अनुपमा जालान, वंदना मेहता, हिना मेहता, किरण पाटिल और अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती सुमन अग्रवाल, शिवकांत खेतान सहित अन्य ३० रोटेरियन शामिल थे।

प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. विनय जैन ने दी जानकारी

जीतो के १८वें फाउंडेशन डे पर हुआ यादगार समारोह

मुंबई: जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) का १८वाँ स्थापना दिवस मुंबई के सहारा स्टार होटल में हर्षोल्लास और नए संकल्पों के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के पहले चरण में सम्मान समारोह और उदबोधन के बाद गायक स्टेबिन बेन ने फिल्मी गीतों पर प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया, इस अवसर पर मुंबई जोन द्वारा संचालित विभिन्न प्रोजेक्ट्स के बारे में वीडियो प्रेजेंटेशन द्वारा जानकारी दी गई।

प्रारंभ में 'जीतो' मुंबई जोन के चीफ सेक्रेटरी डॉ विनय जैन ने अपेक्स के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए मुंबई जोन के सेवा कार्यों तथा विभिन्न प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी, उन्होंने कहा कि 'जीतो' की भविष्य के लिए लंबी सोच पर आधारित, सामाजिक सशक्तिकरण, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, व्यापार आदि की योजनाएं अच्छे परिणाम देगी। 'जीतो' ने कम समय में जो कार्य किए हैं, वे सभी के लिए गौरव की बात हैं, डॉ. विनय ने कहा कि अभी तो शुरुआत हुई है, हमें और भी बड़ा सफर तय करना है।

जीतो अपेक्स के अध्यक्ष सुखराज नाहर ने जीतो अपेक्स की सदस्यता की शुरुआत करने की घोषणा की, उन्होंने आव्हान किया कि ज्यादा से ज्यादा 'जीतो' से जुड़कर इस संगठन को मजबूत करें। नाहर ने 'जीतो' की उपलब्धियां और भविष्य के विभिन्न चिकित्सा और छात्रावास परियोजनाओं पर भी विचार रखे।

'जीतो' मुंबई जोन के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि जब वह संस्था से जुड़े थे, तब कुछ अलग माहौल था, आज यह संगठन एक सशक्त संगठन बन चुका है, जो अपनी गौरवशाली विरासत को लेकर आगे बढ़ रहा है, उन्होंने कहा कि सभी लोगों को अपेक्स टीम के साथ जुड़ना चाहिये, यह योगदान समाज सेवा के लिए एक अमूल्य सहयोग होगा। श्री कोठारी ने मुंबई जोन में संचालित विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला, इसी क्रम में जीतो अपेक्स सेकेट्रे मनोज मेहता ने जीतो की स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक के विकास कार्य पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम सफल बनाने वेस्टर्न रीजन वॉइस चेयरमैन उत्तम जैन, ईस्टर्न रीजन वाइस चेयरमैन ताराचंद गन्ना, जॉइंट सेक्रेटरी मनीष जैन, अंकित जैन, जॉइंट ट्रेजरार विजय जैन, जोन कोऑर्डिनेटर राकेश चोपड़ा व प्रवीण धोका सक्रिय रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते कहा कि १८ वर्षों का यह सफर यादगार रूप से आयोजित किया गया है, जिसके लिए मुंबई जोन की टीम बधाई की पात्र है।

इनका रहा मार्ग दर्शन

कार्यक्रम को सफल बनाने एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य सुभाष रुणवाल, प्रदीप राठौड, मोतीलाल ओसवाल, राजेश वर्धन, चंपालाल वर्धन, राकेश मेहता, आशीष शाह, सतीश शाह, अपेक्स बोर्ड आफ डायरेक्टर ज्योतिकुमार जैन, दिलीप नाबेड़ा, ख्यालीलाल तातेड़, रिखबचंद मेहता, सिद्धार्थ भंसाली, सुमेरमल मेहता, मनोज मेहता, दिलीप चंदन, मिलिंद्र जैन, राकेश जैन का विशेष मार्गदर्शन रहा।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के साथ 'जीतो' परिवार के जेटीएफ चीफ सेक्रेटरी ललित डाँगी, मेंबरशिप कमेटी के हितेश मेहता, चैप्टर चेयरमैन सुरेश जैन, धीरज मेहता, संपतराज चपलोत, मुकेश देसाई, नरेश जैन, निलिंद शाह, महावीर कोठारी. राकेश जैन, शैलेश ज्ञानी, दीपक बेहेडा, चैप्टर सेक्रेटरी महेंद्र जैन, अमित धुला, जितेन्द्र तरिया, प्रफुल्ल चंदन, महेंद्र मेहता, जयेश जैन, शैलेंद्र बोथरा, भरत जैन, सुरेंद्र देसाई, प्रोजेक्ट कन्वीनर तरूण सोनी, रिंकल पगारिया, मनीष शाह, बीसी भलावत, योगेश चौधरी, प्रवीण धोका, खुशवंत जैन, प्रसन्न लोढ़ा, सुचेक आंचलिया, निधि सुराणा, नुपुर भंसाली, राजन मेहता, प्रतीक चोपड़ा, राहुल नाहटा, प्रमोद मेहता, राकेश वत्स, हितेश मेहता, जेबी जैन, पंकज लोढ़ा, राष्ट्रीय जीतो महिला विंग से आशा जैन, मिनल जैन, नेहा कोठारी, ज्योती मुणोत, रेखा सोनिगरा रिंकू जैन, नीरू मेहता, रश्मि कवाड, अनुपमा जैन, अनिता बलदोटा. विराज दुल्ला, मनीषा शाह, चांदनी लालका, मंजू जैन, पूजा कोठारी, प्रीती वर्धन, नयना परमार, अनिता धारीवाल, युवा विंग के भाविक सकारिया, श्रीपाल भंसाली, उत्तम सोनी, पूर्व शाह, सुनय शाह, यश पारेख, हीर जैन, अमित सिंघवी, योगेश जैन, आयुष नाबेडा, विपिन सिवाल, मोहनीश छाजेड़, अभिषेक तेजावत, हर्षल नाहटा, अभिषेक जैन, प्रशम शाह, सहित रेखा राजेश जैन, संगीता गन्ना, चतरलाल लोढ़ा, सुरेश आंचलिया, रोशनलाल बडाला, नवीन डागलिया, विकी डागलिया, सुभाष वडाला आदि की उपस्थिति रही।

भंसाली को भामाशाह सम्मान

संचालन करते हुए चीफ सेक्रेटरी डॉ विनय जैन ने बाबूलाल भंसाली द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की जानकारी दी, उसके बाद 'जीतो' मुंबई जोन द्वारा उन्हें भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद भंसाली ने कहा कि 'जीतो' मुंबई अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अस्पताल और बाहर से आने वाले छात्रों के लिए एक अच्छे हॉस्टल की परियोजना पर कार्य कर रहा है, इस कार्य में मैं आप सभी के साथ हूं, उन्होंने पूरे जैन समाज को एक मंच पर लाने व संवत्सरी को लेकर चल रहे अभियान की विस्तृत जानकारी डॉ. विनय जैन ने दी।

चहुं ओर स्नेह श्रद्धा, सद्भाव की लहर, न कोई दिखावा,
ना कहीं आडंबर प्रकृति का अनोखा उपहार है 'राजस्थान'
'राजस्थान स्थापना दिवस' पर हार्दिक
शुभकामनाएं

- Trishul Investment And Finance Co.
- Nickle And Greenback Trades Pvt. Ltd.

Harshad A. Kela
And Rama Kela
Mob.: 98198 32445

Khamgaon: Kela House,
Kela Road, Kela Nagar,
Khamgaon, Bharat - 444 303
Tel: 91-7263-252043

Mumbai: Office No. 4&5, 1st Floor,
Giri Niwas, 22, Adi Marzaban Path,
Ballard Estate, Mumbai,
Maharashtra, Bharat - 400 001
Tel: 91-22-9699919304 / 22690994
Mob: 9819832445
Email: harshadkela@gmail.com

Mumbai: 101, Rushabh Apts,
10th Floor, Dr. Parekh Street,
Prarthna Samaj, Mumbai,
Maharashtra, Bharat - 400 004

राजस्थानी समाज की संस्थाओं के होली उत्सव में केंद्रीय मंत्री गोयल का हुआ सम्मान

मुंबई: राजस्थानी समाज की प्रमुख संस्था 'राजस्थानी मंडल' गोकुलधाम यशोधाम, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन मुंबई सिटी, नारायण रेकी सत्संग परिवार एवं झुंझुनूं प्रगति संघ द्वारा होलिकोत्सव पर हास्य व्यंग्य, नृत्य भरपूर शिक्षाप्रद नाटक 'नई बीनणी' का आयोजन किया गया, इस अवसर पर राजस्थानी समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों के बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल तथा विनोद शेलार की उपस्थिति भी रही। डॉ. अनील काशीप्रसाद मुरारका ने पीयूष गोयल को एम्पल मिशन तथा समर्पण संस्था की तरफ से स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। अनिल कैंया तथा अनिल पाटोदिया ने भी पीयूष गोयल का सम्मान किया। मंडल के संस्थापक एवं मानद सचिव राजेन्द्र तुलस्यान ने श्री गोयल को राजस्थानी सेठ पगड़ी पहनाकर शुभकामना दी। श्री गोयल ने होली

की शुभकामनाओं के साथ सभी को आगामी महोत्सवों की शुभकामनाएं दीं, इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्थानी समाज के लोग उपस्थित थे।

जाट समाज मुंबई का होली मिलन समारोह

मुंबई: महानगर के विभिन्न उपनगरों में बड़ी संख्या में रहने वाले जाट समाज की एकमात्र संस्था 'जाट समाज मुंबई' के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। नवी मुंबई के सीवुड परिसर में स्थित जाट समाज भवन में मुंबई और इसके आसपास के शहरों में रहने वाले जाट समाज के लोग जमा हुए। गायक कलाकारों ने गीत-संगीत के रंगारंग कार्यक्रम में होली गीत प्रस्तुत किया गया। समारोह में अतिथियों का स्वागत समाज के अध्यक्ष धर्मपाल कलवानिया एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। समारोह में मुंबई पुलिस के ज्वाइंट सीपी सत्यनारायण चौधरी, कस्टम आयुक्त प्रकाश चौधरी, खादी ग्राम उद्योग के डायरेक्टर जगत सिंह हुड्डा, जीएसटी आयुक्त बालियान, कमांडर गुलेरी, भगवान शाही, इंदौर से आए आनंद जाट का स्वागत किया गया। समारोह में समाज के नंद रूप चौधरी, डॉ. दिनेश चौधरी, रामनिवास चौधरी, शमशेर सिंह, भागीरथ चौधरी, टेकचंद, हवा सिंह, संजय डागर, शोभाराम, शंकर जाट, हीरालाल, कोठारी, शीशपाल, ओम जाट, कृष्णा पूनिया, संदीप, रमेश घोटिया, हनुमान कीर डोलिया आदि उपस्थित थे।

२१ अप्रैल २०२४

महावीर जन्म कल्याणक पर्व

तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म 'महावीर जन्म कल्याणक' के नाम से भी प्रसिद्ध है। महावीर स्वामी का जन्म चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में हुआ था। ईस्वी कालगणना के अनुसार तत्कालीन सोमवार, दिनांक २७ मार्च, ५९८ ईसा पूर्व के माँगलिक प्रभात में वैशाली के गणनायक राजा सिद्धार्थ के घर महावीर स्वामी का जन्म हुआ।

महावीर स्वामी का तीर्थंकर के रुप में जन्म उनके पिछले अनेक जन्मों की सतत् साधना का परिणाम था। कहा जाता है कि एक समय महावीर का जीव पुरुरवा भील था। संयोगवश उसने सागरसेन नाम के मुनिराज के दर्शन किए। मुनिराज रास्ता भूल जाने के कारण उधर आ निकले थे। मुनिराज के धर्मोपदेश से उन्होंने धर्म धारण किया। महावीर के जीवन की वास्तविक साधना का मार्ग यहीं से प्रारम्भ होता है। बीच में उन्हें कौन-कौन से मार्गों से गुजरना पड़ा, जीवन में क्या-क्या बाधाएँ आईं और किस प्रकार भटकना पड़ा, यह एक लम्बी और दिलचस्प कहानी है, जो सन्मार्ग का अवलम्बन कर, जीवन के विकास की प्रेरणा देती है। महावीर स्वामी का जीवन हमें एक शान्त पथिक का जीवन लगता है जो कि संसार में भटकते-भटकते थक गया। भोगों को अनन्त बार भोग लिये, फिर भी तृप्ति नहीं हुई, अत: भोगों से मन हट गया, अब किसी चीज की चाह नहीं रही, परकीय संयोगों से बहुत कुछ छुटकारा मिल गया, अब जो कुछ भी रह गया उससे भी छुटकारा पाकर, महावीर मुक्ति की राह देखने लगे।

एक बार बालकों के साथ बहुत बड़े वटवृक्ष के ऊपर चढ़कर खेलते हुए वर्द्धमान के धैर्य की परीक्षा करने के लिए संगम नामक देव, भयंकर सर्प का रुप धारण कर उपस्थित हुए, सर्प को देखकर सभी बालक भाग गए, किन्तु वर्द्धमान इससे जरा भी विचलित नहीं हुए। वे निडर होकर वृक्ष से नीचे उतरे। संगमदेव उनके धैर्य और साहस को देखकर दंग रह गया, उसने अपना असली रुप धारण किया और महावीर स्तुति कर चला गया।

महान् पुरुषों का दर्शन ही संशयचित लोगों की शंकाओं का निवारण कर देता है। संजय और विजय नामक दो चारण ऋद्धिधारी देव थे जिन्हें तत्त्व के विषय में कुछ शंका थी। कुमार वर्द्धमान को देखते ही उनकी शंका दूर हो गई, उन दो ने प्रसन्नचित हो कुमार का सन्मति नाम रखा।

एक दिन ३० वर्ष का वह त्रिशलानन्दन कर्मो का बन्धन काटने के लिए तपस्या और आत्मचिन्तन में लीन रहने का विचार करने लगा। कुमार की विरक्ति का समाचार सुनकर माता-पिता को बहुत चिन्ता हुई। कलिंग के राजा जितशत्रु ने अपनी सुपुत्री यशोदा के साथ कुमार वर्द्धमान के विवाह का प्रस्ताव भेजा, उनके इस प्रस्ताव को सुनकर माता-पिता ने जो स्वप्न सजोए थे, आज वे स्वप्न उन्हें बिखरते हुए नजर आ रहे थे। वर्द्धमान को बहुत समझाया गया, अन्त में माता-पिता को मोक्षमार्ग की ही स्वीकृती देनी पड़ी। मुक्ति के राही को भोग जरा भी विचलित नहीं कर सके। तत्कालीन मंगशिर कृष्ण दशमी सोमवार, २९ दिसम्बर ५६९ ईसा पूर्व को मुनिदीक्षा लेकर वर्द्धमान स्वामी ने शालवृक्ष के नीचे, तपस्या आरम्भ कर दी, उनकी तप: साधना बड़ी कठिन थी।

महावीर की साधना मौन साधना थी, जब तक उन्हें पूर्ण ज्ञान की उपलब्धि नहीं हो गई तब तक उन्होंने किसी को उपदेश नहीं दिया। तत्कालीन वैशाख शुक्ल दशमी, २६ अप्रैल, ५५७ ईसा पूर्व का वह दिन चिरस्मरणीय रहेगा जब त्रम्बक नामक ग्राम में अपराह्न समय गौतम उनके प्रमुख शिष्य (गणधर) हुए,

उनकी धर्मसभा समवसरण कहलाई, इसमें मनुष्य, पशु-पक्षी आदि सभी प्राणी उपस्थित होकर धर्मोपदेश का लाभ लेते थे, लगभग ३० वर्ष तक उन्होंने सारे देश में भ्रमण कर लोकभाषा प्राकृत में सदुपदेश दिया और कल्याण का मार्ग बतलाया। संसार-समुद्र से पार होने के लिए उन्होंने तीर्थ की रचना की, अत: वे तीर्थंकर कहलाए।

आचार्य समन्तभद्र ने तीर्थ को ही सर्वोदय तीर्थ कहा है, व्यक्ति के हित के साथ-साथ महावीर के उपदेश में समष्टि के हित की बात भी निहित थी।

महावीर का उपदेश मानवमात्र के लिए ही सीमित नहीं था, बल्कि प्राणिमात्र के हित की भावना उनमें निहित थी। महावीर श्रमण परम्परा के उन महापुरूषों में से थे जिन्होंने यह उद्घोष किया था कि हर प्राणी एक समान है। मनुष्य और क्षुद्र कीट-पतंग में आत्मा के अस्तित्व की अपेक्षा कोई अन्तर नहीं, उस समय जबकि मनुष्य के बीच में दीवालें खड़ी हो रही थी, किसी वर्ण के व्यक्ति को ऊँचा और किसी को नीचा बतलाकर, एक वर्ग विशेष का स्वत्वाधिकार कायम किया जा रहा था, उस समय मानवमात्र का प्राणिमात्र के प्रति समत्वभाव का उद्घोष करना, बहुत बड़े साहस की बात थी, तत्कालीन अन्य परम्परा के लोगों द्वारा इसका घोर विरोध हुआ, अन्त में सत्य की विजय हुई। करोड़ों पशुओं और दीन-दु:खियों ने चैन की साँस ली। समाज में अहिंसा का महत्व पुर्नस्थापित हुआ। महावीर स्वामी ने नारा बुलन्द किया कि प्रत्येक आत्मा परमात्मा बन सकती है। कर्मो के कारण आत्मा का असली स्वरुप अभिव्यक्त नहीं हो पाता, कर्मो को नाशकर शुद्ध, बुद्ध और सुखरुप स्थिति को प्राप्त किया जा सकता है, तीस वर्ष तक तत्त्व का भली-भाँति प्रचार करते हुए महावीर अन्तिम समय मल्लों की राजधानी पावा पहुँचे, वहाँ के उपवन में तत्कालीन कार्तिक कृष्ण अमावस्या मंगलवार, १५ अक्टूबर, ५२७ ई.पू. को ७२ वर्ष की आयु में उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया।

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर हार्दिक शुभकामनाएं

Whereabouts :
505, 5th Floor, Neptune Uptown,
N. S. Road, Opp Post Office,
Mulund West, Mumbai- 400080
Ph:- 022-2225659548
Email:- bahetirajkumar@mrshipping.in
Website:- www.mrshipping.in

Rajkumar Baheti
Mob.: 9820450521
Madhuri Baheti

M R SHIPPING PVT LTD
Globally Connected

Service Offering All in one Roof
Freight Forwarding and Multimodal Transportation
Warehousing & Project Logistics
Third Country logistics & Custom Clearance
Direct Port Delivery
CFS Management

Registrered Member

Mumbai | Nhava Sheva | Mundra | Kolkata | ICD TUMB
Delhi | Chennai | Gandhidham | Hazira | Ahmedabad

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर मेरा राजस्थान
के पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें

विष्णुदयाल सारड़ा
पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी प्रगति मंडल
मो: ९८२०९७५४३९

३०१, शिवकुटीर, १० वाँ रास्ता, खार, मुम्बई,
महाराष्ट्रा, भारत - ४०० ०५२

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर मेरा राजस्थान के
पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें

ANUP JALOTA

The Musician, Hymn, Ghazal Singer

Mohan Niwas, 56, Keluskar Road,
Shivaji Park, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400028
Tel.: 022-24453232 / 24461638 Fax : 022-24449888
E-mail : anupjalota@gmail.com, anupjalota@rediffmail.com
Website : www. anupjalota.in

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के
साथ जीवन व्यतीत करें
'होली' पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर
सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या
Govt. Contractor & Building Material Supply
भ्रमणध्वनि : ९८२२२००६३१ दूरध्वनि : ०७२१-२६६००४६

श्रीनाथ दाल मिल
A-35, Near Aanand Marbles MIDC, Amravati, Maharashtra, Bharat - 444607

पियुष ओ. भैय्या
भ्रमणध्वनि : ७८२२००४२१८

अखिलेश ओ. भैय्या
भ्रमणध्वनि : ९८२३२३१२७६

आचार्य श्री को छत्तीसी विधान में अर्पित की गई संगीतमय विनयांजलि

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की स्मृति में कार्यक्रम

दिगम्बर जैन समाज के समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज को विनयांजलि समर्पित करने के लिए सामाजिक संस्था, तुभ्यं नमो के संयोजन में संगीतमय आचार्य श्री छत्तीसी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोरीवली पूर्व के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (नेशनल पार्क) में स्थित पोदनपुर तीन मूर्ति दिगंबर जैन मंदिर में महिलाओं द्वारा संगीतमय आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन हुआ। इसमें दक्षिण मुंबई, भायंदर, मीरा रोड, ठाणे, बोरीवली, अंधेरी, विले पार्ले, अंधेरी पश्चिम के लोखंडवाला, गोरेगांव, मालाड, दादर, वर्ली, ऐरोली, वाशी, नेरुल, नवी मुंबई आदि की महिलाएं शामिल हुईं। बड़ी संख्या में उपस्थित दिगम्बर समाज की महिलाओं ने गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। आयोजन में आर्यिका श्री जिनदेवी माताजी, आर्यमती माताजी व क्षुल्लिका श्री मंगलमति माता जी का सानिध्य प्राप्त हुआ, इस अवसर माताजी ने

उपस्थित महिला समूह को संबोधित किया और कहा कि आचार्यश्री की प्रेरणा से संचालित प्रकल्पों और उनके संदेशों को हमें जन-जन तक पहुंचाना है। गुरुदेव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन नीता दिलीप घेवारे, पद्मा पंकज जैन, आरती पुष्पराज जैन, प्रतिभा जैन ने किया। संस्था की इंदु प्रभात जैन, वंदना सालगिया, डॉ. सुजाता जैन आदित्य, विधि प्रवीण जैन ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। संस्था गत ५ वर्षों से मुंबई, ठाणे व नवी मुंबई में कार्यरत है। भारत, स्वदेशी गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली, भारतीय संस्कृति व भारतीय भाषाओं के संरक्षण व संवर्द्धन का कार्य कर रही है। यह सभी विषय आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के जीवन-दर्शन से प्रेरित हैं। कार्यक्रम में आचार्य श्री द्वारा रचित ग्रंथों को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विधि प्रवीण जैन ने किया।

लक्ष्मणगढ़ प्रवासी परिषद के 'फागोत्सव-२०२४' में झूमे लोग

'देवर म्हारो र' में कलाकारों ने बांधा समां

समारोह में अतिथियों ने किया 'श्री विद्या पंचांग' का विमोचन

मुंबई: राजस्थानी समाज की संस्था लक्ष्मणगढ़ प्रवासी परिषद के तत्वावधान में 'फागोत्सव-२०२४' का आयोजन किया गया। मुंबई स्थित मालाड पश्चिम के एसवी रोड स्थित धुड़मल बजाज भवन में राजस्थानी हास्य व रंगारंग का कार्यक्रम 'देवर म्हारो र' की प्रस्तुति वृंदावन के आकाश ठाकुर, विनोद शर्मा तथा त्रिलोक सिरसलेवाला की टीम ने किया। कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से समां बांध दिया साथ ही मारवाड़ी ढप्प-धमाल, चंग का सांस्कृतिक कार्यक्रम राजस्थानी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

लक्ष्मणगढ़ प्रवासी परिषद मुंबई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन प्रेम प्रकाश मुरारका, दिनेश सोमानी, विष्णु चुडीवाला आदि ने किया। आचार्य पं. महेंद्र जोशी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। वृंदावन के आकाश

ठाकुर एवं रासमंडल द्वारा मोर नृत्य, व्रज होली, लट्ठमार होली, फूल होली की सुंदर प्रस्तुति दी। विनोद शर्मा, प्रदीप पारीक व पार्टी द्वारा 'देवर म्हारो र' के तहत धमाल व राजस्थानी लोक गीत व लोक नृत्यों की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे, इस अवसर पर डॉ. आचार्य महेंद्र जोशी द्वारा संपादित श्री विद्या पंचांग का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था के मुरारी बजाज, बिहारी लड्ढा, विनोद तिवाड़ी, श्रीकिशन बैरागडा, श्रवण बाबूलाल जाजोदिया, सुनील पुरोहित, विष्णु शर्मा, श्याम शर्मा, सीताराम पुजारी, नीलम डिडवानिया, सुलोचना बैरागडा, कुसुम बजाज, उमा लड्ढा, मधु पुरोहित सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Ramratan Bhutra
Chairman
R R GROUP
Ramratan Bhutra Enterprise
Textiles • Laminates • Power
Corporate Office :
A/210, 2nd Floor, India Textile Market, Ring Road,
Surat, Gujarat, Bharat-395002
Ph.: +91 261 2326303, 2327929 e-mail : rrbhutra0707@gmail.com

राजस्थानियों को देश के किसी कोने में कोई परेशानी नहीं होगी

राजस्थान स्थापना दिवस के अमृत महोत्सव समारोह पर मिला कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत का आश्वासन

पुणे: राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने राजस्थान प्रकोष्ठ, पुणे शहर द्वारा आयोजित 'राजस्थान स्थापना दिवस' अमृत महोत्सव पर राजस्थानी समुदाय को आश्वासन दिया कि राजस्थानी प्रवासी भाई देश के किसी भी कोने में रहें, उन्हें किसी भी तरह की समस्या या उनके व्यापार में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी, राजस्थान सरकार इसका पूरा ध्यान रखेगी। महोत्सव की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप के प्रतिमा पूजन और गणपति वंदना से हुई। राजस्थान के मशहूर कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। लोक गायिका इंद्रा धावसी ने रंग रंगीलो राजस्थान, केसरिया बालमा पधारो म्हारे देश जैसे राजस्थानी गीतों से समां बांधा। पुणे में रह रहे राजस्थान के ३६ कौम के हजारों लोगों ने इस समारोह में शिरकत की।

राजस्थान समाज रत्न पुरस्कार: सामाजिक क्षेत्र में काम करनेवाली प्रमुख हस्तियों को राजस्थान समाज रत्न पुरस्कार २०२४ से सम्मानित किया गया। रमेश चौधरी, जयसिंह राजपुरोहित, ओम प्रकाश चौधरी, गोपाल परमार, केसाराम कुमावत, मोतीलाल ओझा, स्व. नेनाराम पेमाराम, स्व. सोमाराम सिरवी के परिजनों को समाज रत्न पुरस्कार प्रदान किए गए। ये सम्मान अविनाश गहलोत, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री चंद्रकांत पाटील और राजस्थान के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री झाबरमल खारा ने दिए। क्रिकेट प्रतियोगिता के आधार पर ५ समाजों को अनुशासित समाज पुरस्कार दिए गए। 'राजस्थान स्थापना दिवस' के मौके पर महिला क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया गया, इसमें ३२ टीमों ने हिस्सा लिया। महिला क्रिकेट लीग में राजस्थान वारियर कोथरुड महिला संघ विजेता, बिबवेवाड़ी महिला ब्लू वारियर उपविजेता रहीं। नमो ट्रॉफी राजस्थान प्रीमियर लीग में सिरवी यंग ब्रिगेड टीम विजेता, राजपुरोहित रॉयल उपविजेता रहीं।

इनकी रही प्रमुख उपस्थितिः राजस्थान के पोकरण के विधायक महंत प्रताप पुरी, भाजपा राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता हिमांशु शर्मा, पुणे के पूर्व मेयर व महायुति के लोकसभा उम्मीदवार मुरलीधर मोहोल, राजपुरोहित समाज पुष्कर के सचिव बाबू सिंह राजपुरोहित, पुणे भाजपा अध्यक्ष अविनाश घाटे, भाजपा राजस्थान आघाडी के महाराष्ट्र अध्यक्ष सुरेश शाह, सचिव जयप्रकाश पुरोहित, सुरेश धर्मावत, राजस्थान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील गहलोत के साथ कई कार्यकारिणी पदाधिकारी उपस्थित थे।

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर मेरा राजस्थान के पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें

Subhash Mundade
Mob: 98210 92984

S.G. Mundade & Co.
Tax Consultants
Income Tax, Sales Tax, Wealth Tax, Professional Tax,
Accounts & Investments
Office: 302, Nav Vivek Indl. Estate, Mogal Lane, Mahim (W), Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 016
Resi: 1801, Moksh Mahal, P.K. Road, Mulund (W), Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 080
Resi: 25914184 | Email: sgmtax@gmail.com

सिद्धि जौहरी राजस्थान कोहिनूर से विभूषित मुख्यमंत्री भजन लाल ने बधाई दी

जयपुर: सिद्धि जौहरी को 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' की ओर से राजस्थान कोहिनूर आवार्ड से विभूषित किये जाने पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने भी बधाई और शुभकामना दी है, इस अवसर पर सिद्धि जौहरी ने बोला कि इस महान सम्मान और मान्यता के लिए मैं वास्तव में आभारी हूं, यह उन सभी को समर्पित है जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे हमेशा ऊर्जावान और प्रेरित रखा, उन सभी का आभार जो मेरी जीवन की यात्रा का हिस्सा रहे हैं।

हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स का होली उत्सव
व्यापारियों के साथ नेताओं ने भी गुलाल से खेली होली

मुंबई: थोक कपड़ा कारोबारियों की संस्था 'हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स' के तत्वावधान में होली स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। दक्षिण मुंबई के चीरा बाजार, गजधर स्ट्रीट स्थित मारवाड़ी कमर्शियल हाईस्कूल के श्री काशीनाथ गाड़िया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कपड़ा व्यापारियों के साथ स्थानीय नेताओं ने भी भाग लिया और एक दूसरे को गुलाल लगाकर 'होली' की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मंत्री मंगल प्रभात लोढा, पूर्व नगरसेविका रीटा मकवाना, आकाश पुरोहित, जनक संघवी, शरद पेटीवाला, हरिराम अग्रवाल, बैजनाथ रुंगटा, उत्तम जैन, स्कूल के अध्यक्ष देवी चंद चोपड़ा, चिकित्सालय अध्यक्ष रामप्रसाद बिदावतका अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अध्यक्ष सुशील गाड़िया एवं उपाध्यक्ष गोबिंद सराफ ने अतिथियों का अभिनंदन किया। मंत्री लोढा और विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने व्यापारियों को शुभकामनाएं दीं, इस अवसर पर चेंबर के रामकिशोर दरक, महेंद्र जैन, अमृत खिवसरा, अनुराग पोद्दार आदि उपस्थित थे।

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी राजस्थान वासियों को
हार्दिक शुभकामनायें

Mahendra Kedia
Mob: 9955594663
Kedia Battery
Shop Add: Punam Market, Main Road, Kankarbhag, Patna, Bihar - 800020
Home Add: Ram Babu Plaza, Flat No 303, Naya Tola , Kumharar, Patna - 800026

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर मेरा राजस्थान के पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें

Bhanwarlal Tak
Mob: 9920358966/ 9082749151
MAMTA DECOR
CIVIL CONTRACTOR
B- 302, Saraswati Sadan, No2, Navghar Cross Road No.3, Near Sai Park, Bhayandar East, Thane, Maharashtra, Bharat-401105
Email: Bhanwarlal0207@Gmail.Com

यो है आपणों राजस्थान

मुंबई माय राजस्थान स्थापना दिवस ३०-३१ मार्च २०२४

ठाणे में अनेक आयोजनों के साथ मनाया गया राजस्थान स्थापना दिवस

ठाणे: राजस्थान विकास मंच महाराष्ट्र की ओर से राजस्थान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वर्तक नगर स्थित वेदांत मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजस्थानी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित हुए। राजस्थान के लोक नृत्य, लोक संगीत और हास्य कलाकारों ने कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधायक संजय केलकर, पूर्व सांसद संजीव नाईक, विधायक प्रताप सरनाईक, विधायक रविंद्र फाटक, विधायक निरंजन डावखरे, भाजपा ठाणे शहर अध्यक्ष संजय वाघुले, संदीप लेले, पूर्व महापौर नरेश म्हस्के, विधायक गीता जैन आदि ने शिरकत की। महेश जोशी, सुरेंद्र शर्मा, राकेश मोदी, चंद्रकुमार मधुसूदन जाजोदिया, डॉ. चंद्रप्रकाश कुमावत, विजय बसवतिया, महेंद्र जैन, भूपेंद्र भट, उदय परमार और उत्तमराज सोलंकी को राजस्थान भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजस्थान विकास मंच महाराष्ट्र के प्रमुख मार्गदर्शक राकेश मोदी, महेंद्र जैन, प्रदेश अध्यक्ष कपूर रामावत, प्रदेश महामंत्री लक्ष्मीकांत मूंदड़ा, नंदू राजपुरोहित खाराबेरा, राजेश रावल, मनोहर वैष्णव, खेताराम चौधरी, सोहनलाल कुमावत, कनुभाई रावल, मोहनसिंह राठौड़, महिपाल सिंह राठौड़ आदि ने विशेष सहयोग दिया।

महाराणा प्रताप भवन का होगा भूमिपूजन

कार्यक्रम में विधायक प्रताप सरनाईक ने कहा कि राकेश मोदी और राजस्थान समाज के अन्य लोगों ने मीरा-भायंदर की तरह ठाणे में भी महाराणा प्रताप भवन बनाने की मांग की थी, इसे ध्यान में रखते हुए ठाणे के कासारवडवली परिसर में राजस्थानी समाज के लिए महाराणा प्रताप भवन का निर्माण किया जाएगा, आगामी जून महीने में भवन का भूमिपूजन होगा।

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर सभी
राजस्थान वासियों को हार्दिक शुभकामनायें

Narendra Kasat
Mob. : 98201 44850

Ravikant Kasat
Mob. : 9920121210

Lokesh Kasat
Mob. : 9819759666

KASAT PLASTIC
IMPORTER & PROCESSOR
PALSTIC RAW MATERIALS

K-14, Ansa Industrial Estate, Saki-Vihar Road, Sakinaka,
Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400072
Tel: 022-28471438/1510 e-mail : kasatplastic@gmail.com

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर मेरा राजस्थान
के पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें

Bhagirath Singh Saharan
Mob: 9821777181

SANGEETA ENGG CORP
B-507, Venktesh Krupa, Balaji Complex, 150,
Feet Road, Near Fly Over, Bhayandar West, Thane,
Maharashtra, Bharat - 401101

भारतीय संस्कृति का पावन पर्व होली पर हार्दिक शुभकामनाएं

Jitendra Kumar Agarwal
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा
Mob: 9818286507

Anand Bhawan, Desu Road, Ward-1, Mehrauli, Delhi, Bharat- 110030

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर मेरा राजस्थान के पाठकों को हार्दिक शुभकामनायें

ब्रजमोहन अग्रवाल
चेयरमेन-आशीर्वाद संस्था, मुंबई

श्रीमती शोभा अग्रवाल
महिला अध्यक्ष-अग्रबंधु सेवा समिति, (रजि) मुंबई

अजंता पार्टी हॉल

गोरेगांव (वेस्ट)
301, Ashoka Super Market,
S. V. Road, Goregaon West,
Near Patkar College, Mumbai,
Maharashtra, Bharat - 400062
Phone : 022 - 2878 0878

बोरीवली (वेस्ट)
S. V. Road, Adjacent to East
West Flyover Meghdoot, Sumer
Nagar, Borivali West, Mumbai,
Maharashtra, Bharat-400092
Phone : 022 - 2806 4449

फतेहपुर शेखावाटी प्रगति संघ के फागोत्सव में ढप्प-धमाल, लोकगीत, नृत्य-संगीत की प्रस्तुति

मुंबईः फतेहपुर शेखावाटी प्रगति संघ (मुंबई) की ओर से होली के अवसर पर महामंत्री नंदू पोद्दार के मार्गदर्शन में ४४ वें फागोत्सव का आयोजन हिंदी विद्याभवन, मरीन ड्राइव, मुंबई में किया गया। समाजसेवी तथा मारवाड़ी सम्मेलन के ट्रस्टी कन्हैयालाल घ. सराफ के सानिध्य में आयोजित समारोह में स्थानीय व प्रवासी कलाकारों ने ढप्प-धमाल, लोकगीत, नृत्य-संगीत का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, प्रायोजक सांवरमल मोदी ने उद्घाटन तथा चंद्रप्रकाश सिंघानिया ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गिरधारीलाल मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में रमेश धा. पोद्दार, मदनमोहन धानुका, प्रताप बोहरा, विनोद सराफ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, डी.जी. कस्टम पी. के अग्रवाल, राजनेता राजपुरोहित, दीपक दे. बूबना, विनोद देवड़ा, जुगल सराफ, ओम पोद्दार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में शैलेष बियानी, गौरीशंकर झालानी, सज्जन जैन और शिवकुमार मिश्रा की अहम भूमिका रही।

मारवाड़ी सांस्कृतिक कला मंच की होली

मुंबईः मारवाड़ी सांस्कृतिक कला मंच बोरीवली का होली उत्सव बोरीवली स्थित माहेश्वरी प्लॉट पर मनाया गया। इस मौके पर सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक सुनील राणे, पद्म धूत, सविता दिलीप चौधरी, मंच के अध्यक्ष सांवर खंडेलवाल, महामंत्री गोपाल सोनी, कोषाध्यक्ष नवीन मिश्रा, संगठन मंत्री दिनेश सोमाणी, कार्यक्रम संयोजक राकेश ओस्तवाल और मोतीलाल जैन आदि उपस्थित थे।

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे

जय भारत! जय-जय राजस्थान

Remove INDIA Name From The Constitution

विनोद कुमार झिरमीरिया
पूर्व कार्यकारी सदस्य चूरू नागरिक संघ
चूरू निवासी-उदयपुर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३२४८०१६५२

विनोद जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि मेरा जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'राजस्थान' में हुआ है। 'राजस्थान' की धरती, हम कहीं भी रहे हमारे दिल में बसी हुई है, वहां से जुड़ी यादें हमेशा याद आती हैं, राजस्थानी लोग आज 'भारत' के हर क्षेत्र में बसे हुए हैं, इसके बावजूद अपनी कला संस्कृति को संजोकर रखे हैं, समाज द्वारा विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो 'राजस्थानी' संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। यहां का नृत्य-संगीत बहुत ही निराला है। 'राजस्थान' का हर क्षेत्र अपने कई विशेषताओं को लिए हुए है, आज 'राजस्थान' में हर तरह की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होने लगी है, इसीलिए अब वहां के निवासी रोजगार की तलाश में अन्य स्थानों पर नहीं जाते, यहां रोजगार के साधन भी उपलब्ध होने लगे हैं और आने वाले समय में 'राजस्थान' और समृद्ध होगा यही हमारी कामना है। हमारा 'चूरू' जिला आज पूरी तरह से संपन्न बन रहा है। मेडिकल कॉलेज, ब्रॉड गेज रेलवे लाइन व अन्य सुविधाएं उपलब्ध आसानी से हो जाती हैं। पहले हमें मुंबई से 'चूरू' जाने के लिए तीन ट्रेनें बदलनी होती थी, आज एक ही ट्रेन से हम मुंबई से चूरू पहुंच जाते हैं, धीरे-धीरे हमारा 'राजस्थान' हर क्षेत्र में प्रगति की ओर बढ रहा है।

आज का युवा वर्ग अपने धर्म और समाज से तो जुड़ना चाहता है, वह राजस्थानी कला संस्कृति खान-पान से भी प्रेम करता है, समयाभाव के कारण वह कम जुड़ पा रहा है।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि यह बहुत ही अच्छी बात है अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए और मैं इस अभियान का पूर्ण समर्थन करता हूं।

विनोद जी मूलतः राजस्थान स्थित 'चूरू' जिले के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'चुरु' में ही संपन्न हुआ है। आपके चार भाइयों का परिवार है, आपकी दो पुत्रीयां हैं, दोनों ही युएस में रहती हैं, वहां पर भी होली, दिवाली, गणगौर के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किये जाते हैं, आप भी यथासंभव सभी कार्यक्रमों में सम्मेलित होते हैं। पिछले ५० सालों से आप मुंबई में बसे हुए थे और बैंक्विट हॉल के कारोबार से जुड़े रहे, वर्तमान में आप 'उदयपुर' में बसे हैं और मिनरल का कारोबार प्रारंभ किया है। मुंबई में रहते हुए 'चूरू नागरिक संघ' के कार्यकारी सदस्य रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत विकास परिषद से भी जुड़े हैं। जय भारत!

भागीरथ सिंह सहारण
व्यवसायी व समाजसेवी
चूरू निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२१७७७१८१

भागीरथ जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि मुझे तो राजस्थान के सबसे अच्छे खान-पान लगते हैं, वहां जो शुद्ध और ताजा खानपान और सब्जियां मिलती हैं, उसकी बात ही निराली होती है, बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं। राजस्थान के हर क्षेत्र में अलग-अलग खान-पान स्वादिष्ट प्राप्त होते हैं। राजस्थान अपने प्राचीन स्थापत्य हवेलियां, किले, मंदिरों व अन्य स्थानों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। पर्यटन के लिए सबसे बड़ा केंद्र राजस्थान ही है, जहां देश ही नहीं विदेशों से भी पर्यटक आते हैं। हमारा 'चूरू' जिला भी अपनी विशेष पहचान लिए हुए हैं, यहां की ठंडी और गर्मी बहुत ही भयंकर होती है। 'चुरू' जिले में स्थित 'लोहसना बाड़ा' मेरा मूल निवास स्थान है, यहां कई पुरानी और नक्काशेदार हवेलियां है, जो आज खाली पड़ी हैं, क्योंकि इनके मालिक आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर बस गए हैं। यहां की कुलदेवी हिंगला माताजी का मंदिर, करणी माता जी का मंदिर, रामदेव जी का मंदिर गौशाला व कई स्थान हैं। 'चूरू' में सालासर बालाजी का मंदिर, खाटू श्याम जी का मंदिर, गणेश जी का मंदिर व अन्य कई देवी देवताओं के प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं, जहां दर्शन करने दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। राजस्थानी लोग जहां भी बसते हैं एक दूसरे के प्रति बहुत ही अपनत्व और प्रेम की भावना रखते हैं, ऐसी अनेक विशेषताएं हैं हमारे 'राजस्थान' की...

आज का युवा वर्ग अपने समाज, संस्कृति और रीति रिवाज से कम ही जुड़ पाते हैं, उन्हें जोड़ना जरूरी है तभी उनको अपने धर्म, समाज, संस्कृति और गांव की जानकारी होगी।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य ही अपने देश का एक ही नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'।

भागीरथ जी मूलतः राजस्थान के चुरू जिले में स्थित 'लोहसना बड़ा' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा यहीं संपन्न हुई है। १९९२ से आप मुंबई में बसे हैं और स्टेनलेस स्टील के ट्रेडिंग के कारोबार से जुड़े हुए हैं, साथ ही जाट समाज और चूरू नागरिक संघ से जुड़े हैं। जय भारत!

दामोदर काबरा
पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी प्रगति मंडल
जुसरी (नागौर) निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२००८३५५८

दामोदर जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि हमें गर्व है कि हम 'राजस्थान' के रहने वाले हैं। 'राजस्थान' की भूमि वीरों की भूमि है, यह त्याग और बलिदान के लिए जानी जाती है, अपनी मातृभूमि से अलग रहने पर भी हम किसी न किसी रूप में अपनी मातृभूमि से जुड़े रहते हैं, जब भी समय मिलता है तो हम परिवार सहित अपने पैतृक निवास स्थान 'जुसरी' पहुंच जाते हैं। राजस्थान अपनी कला, संस्कृति, रीति-रिवाज, नृत्य संगीत के लिए भी पूरे 'भारत' में प्रसिद्ध है, इसीलिए सबसे ज्यादा पर्यटक भी 'राजस्थान' में ही आते हैं। 'राजस्थान' में लोगों से अपनापन महसूस होता है, मुंबई में रहते हुए भी हम किसी न किसी रूप में 'राजस्थान' और 'राजस्थानी' रीति रिवाज से जुड़े हुए हैं।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से जुड़ रही है, यदि बच्चों को परिवार में वह संस्कार दिए जाए तो अवश्य ही युवा पीढ़ी अपने धर्म व समाज के साथ बड़े-बुजुर्गों से किसी तरह जुड़ी रहेगी और वही संस्कार अपने बच्चों को भी देगी, हर माता-पिता का यह प्रयास होना चाहिए कि वह अपने बच्चों को अपनी कला, संस्कृति, रीति रिवाज और समाज से जोड़े रखे।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि यह राजनीतिक मुद्दा है और सरकार द्वारा ही सुलझाया जा सकता है।

दामोदर जी मूलत: राजस्थान स्थित नागौर जिले के 'जुसरी' के निवासी हैं जो मकराना के पास स्थित है। आपका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, पिछले ६५ सालों से आप मुंबई में बसे हुए हैं और चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रोफेशन से ४५ सालों से जुड़े हैं, साथ ही आप समाज सेवा में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी प्रगति मंडल के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं, वर्तमान में ट्रस्ट बोर्ड में मंत्री है, इसके अलावा आप लायंस क्लब चैरिटी ट्रस्ट से भी जुड़े हुए हैं, आपके गांव में स्थित 'गौशाला' से भी जुड़े हैं। जय भारत!

विष्णुदयाल सारडा
पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी प्रगति मंडल
नागौर निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२०९७५४३९

विष्णुदयाल जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'राजस्थान' हमारी पैतृक भूमि है, इसलिए आज भी हमारा 'राजस्थान' से लगाव बना हुआ है। मुंबई में रहते हुए भी हम 'राजस्थानी' परिवेश, रीति रिवाज से जुड़े हुए हैं। हमारा 'राजस्थानी' समाज अपनी रचनात्मकता और प्रेम के लिए जाना जाता है, हमारी भूमि के चुंबकत्व का प्रभाव है जो हमारे देश विदेश या विभिन्न प्रांतों में रहने वाले मारवाड़ी भाइयों को जोड़े रखता है, आज भी हम अपने संस्कार और पूर्वजों द्वारा दिए गए विरासत को संजोए हुए हैं। 'राजस्थान' का खानपान भी बहुत ही स्वाद से भरा हुआ है। राजस्थान के लोग चाहे 'भारत' में कहीं भी बसे हों, अपने तीज़ त्यौहार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मिलजुल कर मनाते हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'राजस्थान' की... आज की युवा पीढ़ी को यदि उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाए तो युवा वर्ग भी अपने धर्म, समाज, गांव-देश से अवश्य ही जुड़े रहेंगे।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि चाहे भाषा कोई भी हो अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए।

विष्णुदयाल जी मूलत: राजस्थान के नागौर जिले में 'निंबी जोधा' के निवासी हैं। आपका जन्म जसवंतगढ़ व सम्पूर्ण शिक्षा कोलकाता में संपन्न हुयी है, पिछले कई वर्षों से आप 'मुंबई' में बसे हैं और कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष रहे हैं। जय भारत!

सुभाष मुंधड़ा
व्यवसायी व समाजसेवी
मांडल (भीलवाड़ा) निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२१०९२९८४

सुभाष जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि राजस्थान और राजस्थानी लोग प्रेम भाव, कला संस्कृति, आवभगत के लिए विशेष जाने जाते हैं। मुंबई में रहते हुए भी आज भी हम राजस्थानी कला संस्कृति, तीज-त्यौहार व अन्य संस्कारों से, हमारे बड़े बुजुर्गों ने हमें दिया है, अपना रहे हैं और पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे हमारे आने वाली पीढ़ी भी उनसे जुड़ी रहे। राजस्थान की माटी अपनी एक अलग सुगंध और विशेषता के लिए जानी जाती है। राजस्थान राजाओं का स्थान अर्थात वीरों की भूमि है।

आज की युवा पीढ़ी भी अपने धर्म समाज से जुड़ी हुई है, उनके विचारों को भी समझना जरूरी है। आज शिक्षा और भाग दौड़ भरी जिंदगी में युवा वर्ग इतना व्यस्त है कि उसके पास तो अपने लिए ही समय नहीं है तो वह धर्म और समाज के लिए यदि समय निकालता भी है तो अच्छी बात है, उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य ही अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए।

सुभाष जी मूलत: राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में स्थित 'मांडल' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा महाराष्ट्र के 'जलगांव' में संपन्न हुई है, आपका परिवार कई पीढ़ियों से यहां बसा हुआ था। १९७२ से आप मुंबई में बसे हैं और चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी महासभा मुंबई प्रदेश के कोषाध्यक्ष हैं, माहेश्वरी प्रगति मंडल के मंत्री रहे हैं। विद्या प्रचारक मंडल पुणे द्वारा संचालित मुंदड़ा हॉस्टल और एरोली में स्थापित महिला हॉस्टल से भी जुड़े हैं। जय भारत!

लक्ष्मीकांत महनसरिया गुप्ता
सीए व समाजसेवी
चूरू निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८३३०००४३६

लक्ष्मीकांत जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि भले ही मेरा जन्म और शिक्षा मुंबई में संपन्न हुई है, पर हमारे घर में राजस्थानी बोली, भाषा और संस्कार मिलते रहे हैं, रीति रिवाज राजस्थानियों द्वारा जो किए जाते हैं सारे होते रहे हैं, इसीलिए मैं राजस्थान, राजस्थानी कला संस्कृति से जुड़ा हुआ हूं। राजस्थान की हवेलियां, गढ़, किले, नृत्य संगीत हमेशा से ही अपनी अलग पहचान बनाकर रखे हैं, यह महाराणा प्रताप की भूमि है, जिनका नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। उदयपुर की हल्दीघाटी युद्ध में उनके पराक्रम की गाथा अनोखी है। 'राजस्थान' के शेखावाटी में मां शाकंभरी जी का मंदिर, चूरु जिले में सालासर बालाजी का मंदिर, चोखी धाणी जी का स्थान व अन्य कई प्रसिद्ध क्षेत्र हैं जो राजस्थान को अन्य राज्यों से अलग करता है, यह वीरों महापुरुषों की भूमि है, दानदाताओं और भामाशाहों की भूमि है। राजस्थान के लोग जहां भी बसते हैं अपनी मेहनत, ईमानदारी मृदुल भाषा से वहां सभी को अपना लेते हैं, कर्मठता राजस्थानियों के खून में है, इसीलिए आज 'भारत' के हर क्षेत्र में बड़े-बड़े उद्योगपतियों में राजस्थानियों का नाम प्रमुखता से आता है, इसके बावजूद वे अपनी पैतृक भूमि मातृभूमि को नहीं भूलते। समाज सेवा, धर्म सेवा में हमेशा आगे रहते हैं, ऐसी अनेक विशेषताएं हैं हमारे 'राजस्थान' की...

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म, समाज से जुड़ी भी है और विमुख भी हो रही है, जिन परिवारों में आज भी मारवाड़ी बोली जाती है, अपने रीति-रिवाज को अपनाया जाता है, उस परिवार के बच्चे आज भी अपने धर्म संस्कार और समाज से जुड़े हैं।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि यह अच्छी बात है कि अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए, पर भौगोलिक दृष्टिकोण से यहां आने वाले विदेशियों ने हमारे देश को 'इंडिया' नाम से संबोधित कर दिया, विदेश में आज भी हमारी 'इंडिया' नाम से ही पहचान है 'भारत' हमारे देश का प्राचीन और ऐतिहासिक नाम है, जो राजा भरत चक्रवर्ती के नाम से रखा गया है, अतः अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

लक्ष्मीकांत जी मूलतः राजस्थान के चुरू जिले में स्थित 'महनसर' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा मुंबई में संपन्न हुयी है, आपके दादाजी १९४७, १५ अगस्त को ही मुंबई आए और अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। आप चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं, साथ ही आप समाज सेवा में भी यथासंभव सक्रिय रहते हैं। चूरू नागरिक संघ, राणी सती दादी समिति झुंझुनूं, खाटू श्याम जी, लायंस क्लब, अग्रवाल सभा से जुड़े हुए हैं। जय भारत!

रामकिशोर दरक
ट्रस्टी महामंत्री परोपकार
नागौर निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२०१३६३६१

रामकिशोर जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि राजस्थान हमारी मातृभूमि है, वहां से मिले हुए संस्कारों को लेकर ही आज पूरे भारत ही नहीं विदेशों में राजस्थानी लोग बसे हैं और पूरी निष्ठा के साथ उन संस्कारों को संजो कर रखे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ी को हम वह संस्कार दे सकें। राजस्थानी लोग हर परिस्थिति में अपने आप को ढाल लेते हैं और विकट परिस्थिति में भी कुछ अलग से कर गुजरते हैं, मेरा लगाव आज भी राजस्थान से बना हुआ है, हमारे रिश्तेदार तो आज भी राजस्थान में है, दूसरा राजस्थान में मेरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी भी है, हमारे कुलदेवी का स्थान राजस्थान में है, राजस्थान के नागौर जिले में से 'तरनाऊ' गांव से हमारे गांव के नजदीक अन्य समाज के भी कुल देवियों के मंदिर हैं, गांव में मां चामुंडा देवी का भी मंदिर है, जहां पर जोधपुर के राजा दर्शन के लिए आते थे।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से दूर हो रही है, उन्हें जोड़ने की आवश्यकता है।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य ही अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत'। प्राचीन काल से इस देश का नाम 'भारत' था 'भारत' ही रहना चाहिए।

रामकिशोर जी मूलत: राजस्थान के नागोर जिले में स्थित 'तरनाऊ' के निवासी हैं। आपका जन्म राजस्थान में व सम्पूर्ण शिक्षा 'मुंबई' में संपन्न हुई है, यहां आप कपड़ों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी प्रगति मंडल मुंबई के उपाध्यक्ष है, परोपकार संस्था व हिंदुस्तान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स में मंत्री पद पर सक्रिय हैं। जय भारत!

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार
की तरफ से 'राजस्थान स्थापना दिवस' पर हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए अब और इंडिया नहीं

हर्षद केला
अध्यक्ष दक्षिण मुंबई क्षेत्रीय समिति माहेश्वरी प्रगति मंडल
पोखरण निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८१९८३२४४५

हर्षद जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि भारत का 'राजस्थान' हर बात में निराला है, इसका रंगीलापन हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है, यहां की कला संस्कृति और विशेष कर खान-पान बहुत ही रुचि पूर्ण होते हैं। 'राजस्थान' का हर क्षेत्र अपनी विशेषताओं के लिए जाना जाता है, हमारा पैतृक निवास स्थान 'पोखरण' भी अपने एटॉमिक रिसर्च के लिए जाना जाता है, यहां बाबा रामदेव जी के गुरु का भी स्थान बना हुआ है, पोखरण का खाना और फलोदी का सट्टा बहुत प्रसिद्ध है। पोखरण में अतिथियों की आवभगत बहुत ही उत्तम होती है, वहां जाकर अपनेपन का एहसास होता है, राजस्थान के लोग आज रोजगार और व्यवसाय के लिए 'भारत' में ही नहीं विदेशों में भी बसे हुए हैं, फिर भी अपनी कला संस्कृति खान-पान और रीति-रिवाज से आज भी जुड़े हैं, यही हम राजस्थानियों की पहचान है। आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से कम ही जुड़ पाती है, क्योंकि उन्हें परिवार से धर्म और समाज से जुड़ी बातों की जानकारी नहीं मिल पाती, तो युवा वर्ग कैसे अपने धर्म और समाज से जुड़ पाएंगे।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि १००% अपने देश का एक ही नाम एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत'।

हर्षद जी मूलत: राजस्थान के 'पोखरण' निवासी हैं। आपका परिवार कई वर्षों से महाराष्ट्र के 'खामगांव' में बसा हुआ था। आपका जन्म 'खामगांव' में व संपूर्ण शिक्षा 'मुंबई' में संपन्न हुई है, यहां आप फाइनेंस के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। 'खामगांव' में आपके परिवार द्वारा स्थापित केला हिंदी हाई स्कूल के आप संस्थापक सदस्य हैं। माहेश्वरी प्रगति मंडल के अंर्तगत दक्षिण मुंबई क्षेत्रिय समिति के अध्यक्ष हैं, हरि सत्संग समिति, वन बंधु परिषद और गुरुदेव गोविंद देवगिरी द्वारा स्थापित वेद विद्यालय खामगांव से भी जुड़े हुए हैं। जय भारत!

सुरेश झंवर
ट्रस्टी माहेश्वरी प्रगति मंडल
कुचामन निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३२४०६५३६३

सुरेश जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि हमें गर्व है कि हम राजस्थानी हैं, लेकिन प्रवासी राजस्थानी आज अपनी संस्कृति व सभ्यता को भूलते जा रहे हैं, अत: हमारा सबसे बड़ा कार्य यह होना चाहिए कि हम अपनी भाषा को जीवित रखें, जहां तक संभव हो हर जगह हम अपनी भाषा में ही बात करें, हमारी भाषा जीवित रहेगी, तो हमारी कला-संस्कृति और सभ्यता जीवित रहेगी। आज राजस्थानी समाज द्वारा अपनी कला संस्कृति को संजोए रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तो हमारी प्राथमिकता यह भी रहनी चाहिए कि हम अपनी 'मारवाड़ी' भाषा में ही बात करें और जो भी कार्यक्रम प्रस्तुत हो वह भी मारवाड़ी भाषा में ही हो, क्योंकि आज हम देखते हैं कि युवा वर्ग अपनी भाषा से तो पूरी तरह विमुख होते दिखाई दे रहे हैं, यदि भाषा ही नहीं रहेगी तो हमारी कला संस्कृति और रीति-रिवाज, तीज-त्यौहार कैसे जीवित रहेंगे, अत: उन्हें बचाए रखने के लिए सर्वप्रथम हमें हमारी भाषा को बढ़ावा देना चाहिए।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य हमारे देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए। 'भारत' नाम प्राचीन काल से चला रहा है, पूजा हवन के दौरान प्रतिज्ञा में भी 'भारत' शब्द का उल्लेख होता है, संकल्प हम भारत के नाम से ही लेते हैं और यह संकल्प हजारों हजार साल पुराना है इंडिया तो अंग्रेजों की देन है, हमारी पहचान 'भारत' से है और भारत से ही रहनी चाहिए।

सुरेश जी मूलत: राजस्थान स्थित 'कुचामन' निवासी हैं। आपका जन्म और शिक्षा 'कुचामन' में व मुंबई में संपन्न हुयी है। १९६९ से आप मुंबई में बसे है, और सीमेंट के कारोबार से जुड़े रहे, वर्तमान में पूरी तरह से समाज सेवा से जुड़े हैं, पिछले १४ सालों से माहेश्वरी प्रगति मंडल के ट्रस्टी हैं, परोपकार संस्थान के कार्य समिति में सदस्य हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय भारत!

महेंद्र केडिया
व्यवसायी व समाजसेवी
झुंझुनूं निवासी-पटना प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९९५५५९४६६३

महेंद्र जी 'राजस्थान स्थापना दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि राजस्थानी लोग आज देश-विदेश में प्रवासित हैं, अपनी मेहनत, लगन, ईमानदारी, प्रेम भाव से हर परिस्थिति में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं और अपना एक अलग मुकाम बनाते हैं, न सिर्फ व्यवसाय के क्षेत्र में धर्म और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी राजस्थानी लोग हमेशा अग्रणी रहते हैं, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे राजस्थान भूमि की...

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से दूर होती जा रही है, उन्हें जोड़े रखने का प्रयास करना चाहिए।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य ही अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए, इस अभियान का मैं पूर्ण समर्थन करता हूं।

महेंद्र जी मूलत: राजस्थान के झुंझुनूं जिले में स्थित 'केड़' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा बिहार की राजधानी 'पटना' में संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय हैं, मारवाड़ी सम्मेलन और अग्रवाल सभा के सदस्य हैं। जय भारत!

वेणु गोपाल बजाज

व्यवसायी व समाजसेवी

मारवाड़ मूंडवा निवासी-बैंगलोर प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९४४९४२०००

वेणुगोपाल जी मूलतः राजस्थान स्थित 'मारवाड़ मूंडवा' के निवासी हैं, आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'राजस्थान' में संपन्न हुई है। १९८९ से आप बेंगलुरु में बसे हैं, १९९३ में पेपर डीलर और पेपर उत्पादों के निर्माता के रूप में व्यवसाय शुरू किया। बाद में २००१ में व्यवसाय ग्राफिक सामग्री (मुद्रण उपभोग्य सामग्रियों) में स्थानांतरित हो गया। वर्तमान में आप ग्राफिक सामग्री (मुद्रण उपभोग्य सामग्रियों) के लिए दक्षिण भारत में सबसे बड़े डीलर हैं और १० कंपनियों के लिए अधिकृत वितरक हैं, इसके अलावा अशोक नगर और बसवांगुडी में २ शाखाएँ हैं। वर्तमान में न्यू एयरपोर्ट रोड में एक आईटी पार्क परियोजना पर कार्यरत है। साथ ही आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। बंगलौर स्थित विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

'राजस्थान स्थापना दिवस' के शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि हमें गर्व है कि हम राजस्थानी जहां भी बसते हैं वहां की संस्कृति को अपनाते हुए अपनी राजस्थानी कला, संस्कृति और रीति रिवाज को भी संजोकर रखते हैं। अपनी मेहनत और लगन से हर क्षेत्र में अपना उच्च मुकाम राजस्थानियों ने बनाया हुआ है। देश की अर्थव्यवस्था में राजस्थानी समुदाय का बहुत बड़ा योगदान है। ३० मार्च को 'राजस्थान स्थापना दिवस' संपूर्ण राजस्थानी समाज द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाते हैं, जिसमें प्राय: सभी राजस्थानी समाज सम्मिलित होते हैं।

आज के युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से कहीं ना कहीं विमुख हो रही है और इसका कारण समाज में पुराने रीति रिवाज और नियम हैं, जिससे वे दूर हो रहे हैं।

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य ही अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, इंडिया नाम की हमें कोई जरूरत नहीं। जय भारत!

जितेंद्र कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अ.भा. अग्रवाल महासभा आजादपुर दिल्ली निवासी

भ्रमणध्वनि: ९८१८२८६५०७

जितेंद्र जी 'होली पर्व' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि होली रंगों का त्यौहार है, पूरे विश्व में 'होली पर्व' बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है, आप कहते हैं कि पर्व कोई भी हो, समाज में सभी को अपनी धार्मिक मान्यताओं से जुड़ना चाहिए तथा सभी को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

धार्मिक मान्यताएं केवल धार्मिक ही नहीं होती, सामाजिक भी होती हैं, सामाजिक सरोकार भी इससे जुड़े होते हैं। सामाजिक समरसता तभी आएगी, जब हम धार्मिक मान्यताओं के साथ आगे बढ़ें।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म व समाज से संपूर्ण रूप से जुड़ी हुई है, पहले की अपेक्षा अब अधिक जुड़ रही है, सभी धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़ती हुई युवाओं की भीड़ इसका प्रमाण है।

'अग्रवाल समाज एकता' के संदर्भ में आपका कहना है कि धीरे-धीरे समाज में समरसता आ रही है, अभी तक यही देखने में आ रहा था कि अग्रवाल समाज बिखरा हुआ है परंतु ऐसा नहीं है, अग्रवाल समाज संस्था के अध्यक्ष सतीश अग्रवाल जी द्वारा 'अग्रवाल एकता' के लिए प्रयास किया जा रहा है, उनके प्रयास में कई लोग उनका सहयोग भी कर रहे हैं, जुड़ रहे हैं, वर्तमान में अग्रवाल समाज में १,५०००० सदस्य हैं तथा हर रोज हजारों की संख्या में नए लोग जुड़ रहे हैं, इससे यह प्रतीत होता है कि 'अग्रवाल एकता' अब जल्द ही स्थापित हो जाएगी।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं' अभियान को अपना संपूर्ण समर्थन देते हुए कहते हैं कि अवश्य ही देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

जितेंद्र जी मूलत: दिल्ली स्थित 'महरौली' के निवासी हैं। अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा तथा महरौली आरडब्लूए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं, साथ ही अग्रवाल परिवार संस्था के अध्यक्ष हैं, अन्य कई संस्थाओं में कार्यकारिणी सदस्य की भूमिका निभा रहे हैं। जय भारत!

अग्रबंधु सेवा समिति द्वारा माता की चौकी, लगा छप्पन भोग

मुंबई: अग्रवाल समाज की प्रमुख संस्था अग्रबंधु सेवा समिति मुंबई के तत्वावधान में ३१ मार्च को १६ वें वार्षिक महोत्सव में माता की चौकी का आयोजन किया गया, इस अवसर पर माता की आकर्षक झांकी तैयार की गयी और छप्पन भोग अर्पित किया गया। गोरेगाव पूर्व स्थित बृजवासी पैलेस हॉल में माता का दरबार सजाया गया। बतादें कि १६ सालों से अग्रबंधुओं के समग्र विकास के लिए प्रयासरत है, इसी कड़ी में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें स्थापना दिवस (वार्षिक महोत्सव) में माता की चौकी में भजन संध्या का आयोजन किया जाता है, इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष अमरीश चंद अग्रवाल, ट्रस्टी लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ), बृजमोहन गुप्ता, उदेश अग्रवाल, गोपाल दास गोयल महिला अध्यक्ष सुधा अग्रवाल के साथ समिति के सदस्य उपस्थित थे।

APPROVED BY THE EXPERTS, ADMIRED BY THE WORLD.

AKALMAND BANO, SAHI CHUNO.

RR KĀBEL
WIRES & CABLES

INDIA'S ONLY WIRE WITH
REACH • RoHS
CE • CPR Compliant

ANTI-RODENT ANTI TERMITE
HIGHER INSULATION RESISTANCE
MORE THAN 101% CONDUCTIVITY
100% ELECTROLYTIC COPPER

Email : digitalsupport@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2022-2024
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2022-24
License to post without prepayment'
Published on 28/03/2024 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®

ACHIEVER®

THE WORLD'S
FINEST GEL PEN

Non Dry
NOW...UPTO 2 YEARS

LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

Presenting New ADD Gel Achiever, the world's finest gel pen.With improved dye base ink that stays Non-Dry for up to 2 years.For smoother, effortless writing.

www.addpens.com

ONLY ₹50/- PER PC

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक विजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-2850 9999
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in